MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

विश्वास और प्रेम में एक समानता हैं दोनों में से कोई भी जबरदस्ती नहीं किया जा सकता है !!

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-04 ❖ मुंबई ❖ रविवार 17 से 23 जनवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3 Fake TRP Scam में आरोपी BARC के पूर्व सीईओ पार्थो दासगुप्ता की तबीयत खराब, जेजे अस्पताल में हुए भर्ती

पेज 5 टीकाकरण के पहले दिन ही कांग्रेस ने खड़े किए सवाल, कहा- जब वैक्सीन इतनी ही सुरक्षित तो सरकार में किसी ने क्यों नहीं लगवाई

पेज 7 व्हीलचेयर पर बैठकर मुंबई एयरपोर्ट पहुंचीं प्राची देसाई, एक्ट्रेस की यह हालत देख फैन्स हुए हैरान

पेज 8 मुंबई में कोरोना वैक्सीन देना शुरू, पहले दिन 4100 लोगों को लगेगा टीका

कमल' के फूल का भंवरा तो मियां ओवैसी ही हैं...शिवसेना ने बीजेपी पर कसा तीखा तंज

- साक्षी महाराज बोले ओवैसी भाजपा के ही पॉलिटिकल एजेंट हैं
- ओवैसी की राजनीति हिंदू द्वेष पर आधारित है
- कमल के फूल का भंवरा मियां ओवैसी ही हैं
- एमआईएम मुसलमानों की तारणहार नहीं बल्कि बीजेपी का अंगवस्त्र है

मुंबई, शिवसेना कभी भी बीजेपी को घेरने मौका नहीं छोड़ती है। अब पार्टी के मुखपत्र सामना की सम्पादकीय में लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से ओवैसी साहब की पोल खोल किए जाने से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। साक्षी महाराज के बयान का हवाला देते हुए तंज कसा गया है कि ओवैसी मियां की 'एमआईएम' मुसलमानों की तारणहार नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी का अंगवस्त्र है ऐसी शंका लोगों को थी ही। भाजपा के प्रमुख नेता साक्षी महाराज ने अब डंके की चोट पर कहा है, 'हां, मियां ओवैसी भाजपा के ही पॉलिटिकल एजेंट हैं और ओवैसी की सहायता से ही हम चुनाव जीतते रहते हैं। साक्षी महाराज कहते हैं, 'ओवैसी मदद कर रहे थे इसलिए हम बिहार का चुनाव जीत गए। अब ओवैसी साहब पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में हमारी सहायता करेंगे। ओवैसी भाजपा की सहायता कर रहे हैं, यह भगवान की कृपा है। परवरदिगार भगवान ओवैसी को और शक्तिशाली बनाओ!' साक्षी महाराज ने भाजपा के अंदर की बात बता डाली। बिहार चुनाव से साफ हो गई तस्वीर'सामना' ने लिखा है कि कमल के फूल के कुंजबिहारी अटलबिहारी वाजपेयी, दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, लाल कृष्ण आडवाणी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह होंगे, साक्षी महाराज ने लोगों के इस भ्रम को दूर करके साबित कर दिया है कि कमल के फूल का भंवरा मियां ओवैसी ही हैं। बिहार में ओवैसी ने मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्रों में पांच सीटें जीतीं और लगभग 17-18 सीटों पर तेजस्वी यादव का नुकसान किया वरना बिहार में राजनीतिक परिवर्तन अवश्य हुआ होता।

27 जनवरी से शुरू होंगे 5वीं से 8वीं तक के स्कूल – मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि राज्य में पांचवीं से लेकर आठवीं तक के स्कूल २७ जनवरी से शुरू होंगे। विदित हो कि राज्य में नौवीं से लेकर बारहवीं तक के स्कूल पहले से ही शुरू हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना बचाव के सभी नियमों का पालन करते हुए प्रदेश के पांचवीं से लेकर आठवीं कक्षा तक के स्कूल शुरू करने का निर्देश दिया है। स्कूल शुरू करते समय विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ और संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने दिया है। शिक्षा का रोड मैप तैयार करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने राज्य के स्कूलों का शिक्षा स्तर बढ़ाने के लिए जिलेवार समीक्षा करके शिक्षा का रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया है। स्कूली शिक्षा विभाग के विजन २०२५ का प्रस्तुतीकरण कल मुख्यमंत्री के समक्ष किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा का विजन तैयार करते समय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मौजूदा दौर में व्यावसायिक शिक्षा महत्वपूर्ण साबित हो रही है इसलिए आठवीं कक्षा से ही विद्यार्थियों का प्रतियोगी परीक्षाओं में मार्गदर्शन करना चाहिए। इसके अलावा शैक्षणिक और रचनात्मक सुधारों के लिए एक वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए और इसके लिए सालाना कितनी राशि की आवश्यकता होगी, उसकी मांग प्रस्तुत की जाए। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आधुनिक सुविधाओं पर जोर दिया जाए। शिक्षित महाराष्ट्र, समर्थ राष्ट्र स्कूली शिक्षामंत्री वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि शिक्षित महाराष्ट्र से समर्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि एवं आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के लिए बजट में पर्याप्त वृद्धि करने की आवश्यकता है।

पीएम मोदी ने 8 ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को बाकी देश से जोड़ेंगी

गुजरात के केवड़िया में स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' देखने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की आवाजाही आसान बनाने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रेलगाड़ियां केवड़िया को वाराणसी, दादर, अहमदाबाद, हजरत निजामुद्दीन, रीवा, चेन्नई और प्रतापनगर से जोड़ेंगी। स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से ज्यादा स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी को देखने आ रहे लोग पीएम मोदी ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का जिक्र कर कहा कि केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी अधिक पर्यटक आ रहे हैं। यहां विकास हो रहा है। चौड़ी सड़कें बनाई गई हैं। रेलवे स्टेशन में सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। लोकार्पण के बाद करीब-करीब 50 लाख लोग स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को देखने आ चुके हैं। 'इतिहास में पहली बार एक साथ 8 ट्रेनों को हरी झंडी' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ये पहली बार हुआ है कि एक साथ आठ ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई है। ये आठ ट्रेनें केवड़िया को वाराणसी, दादर, अहमदाबाद, हजरत निजामुद्दीन, रीवा, चेन्नई और प्रतापनगर से जोड़ेंगी। इस योजना के साथ ही भारतीय रेलवे के मैप पर विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को भी जगह मिल जाएगी। साथ ही केवड़िया के रेल लिंक से जुड़ने से यहां देश भर से सैलानी बिना किसी परेशानी से पहुंच सकेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि केवड़िया का उदाहरण है कि कैसे इकोलॉजी और इकोनॉमी के संगम से रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ये इन ट्रेनों का डिजाइन बेहद शानदार है। इन ट्रेनों की यात्रा के दौरान लोग मां नर्मदा की घाटियों के मनोरम दृश्य का आनंद उठा सकेंगे।

26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर रैली पर लगेगी रोक?

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा था कि उन्हें पता चला है कि कृषि कानूनों का विरोध कर रहे कुछ किसान संगठन 26 जनवरी के मौके पर ट्रैक्टर रैली निकालने की योजना कर रहे हैं। केंद्र ने ऐसे में अपील की थी कि उन्हें दिल्ली के इलाकों में घुसने से रोकने के लिए आदेश पारित किया जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबड़े की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीश पीठ 18 जनवरी को दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के मुद्दे पर इस आवेदन पर सुनवाई करेगी।
केंद्र ने दिल्ली पुलिस के माध्यम से दायर एक आवेदन में कहा है कि कोई भी प्रस्तावित रैली या ऐसा विरोध जो गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने और विचलित करने का प्रयास करता है, वो "राष्ट्र को शर्मिंदा" करने वाला होगा।
12 जनवरी को, शीर्ष अदालत ने केंद्र के आवेदन को सुनने के लिए सहमति व्यक्त की और इसे 18 जनवरी को सुनवाई के लिए पोस्ट कर दिया। बेंच ने आवेदन पर एक नोटिस जारी किया और कहा कि इसे किसानों की यूनियनों में सर्व किया जाए जो कृषि कानून के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं.
केंद्र ने कहा है कि विरोध करने का अधिकार कभी भी "राष्ट्र को विश्व स्तर पर खदेड़ने" में शामिल नहीं हो सकता। इसलिए केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रवेश करके किसी भी विरोध मार्च या तो ट्रैक्टर मार्च, ट्रॉली मार्च, वाहन मार्च या किसी अन्य रूप में आयोजित होने वाले मार्च को होने से रोकें।
कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि किसान नेताओं ने स्पष्ट किया है कि 26 जनवरी को ट्रैक्टर रैली केवल हरियाणा-दिल्ली सीमाओं पर होगी और किसान गणतंत्र दिवस परेड को बाधित करने के लिए लाल किले तक पहुंचने की योजना नहीं बना रहे हैं जैसा कि कुछ लोगों द्वारा दावा किया जा रहा है।

अफ़वाहों से बचें और टीकाकरण के लिए अपनी बारी का इंतजार करें -योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के 317 केंद्रों पर शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलरामपुर अस्पताल का दौरा किया और उन स्वास्थ्य कर्मियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना जिन्हें आज कोविड-19 का टीका लगाया गया। इस मौके पर उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और टीका लगवाने के लिये अपनी बारी का इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण अभियान के माध्यम से अब इस महामारी पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने टीके के लिए प्रधानमंत्री तथा देश के वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में देश की जनता की रक्षा के लिए दो टीके तैयार कर पाना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही सम्भव था। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के दिशा निर्देश के अनुरूप प्राथमिकता के अनुसार प्रदेश में टीकाकरण किया जाएगा। केन्द्र व राज्य के प्रयासों और व्यवस्थाओं से कोविड-19 को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड नियंत्रण में मीडिया ने सकारात्मक भूमिका निभायी। उन्होंने मीडिया का आह्वान करते हुए कहा कि वह टीके के बारे में अफवाहों को रोकने के लिए काम करे। उन्होंने कहा, "सभी लोग कोरोना टीके के संबंध में फैलाई जा रही अफवाहों से बचें और टीकाकरण के लिए अपनी बारी का इंतजार करें। भारत द्वारा विकसित टीके विश्व के सबसे सफल और सस्ते हैं।

दिल्ली चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की एंट्री, उल्लू की हुई मौत

नई दिल्ली, दिल्ली के चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की एंट्री हो गई है। राजधानी में एक ब्राउन फिश उल्लू की मौत हो गई है। इसमें एवियन इंफ्लूएंजा वायरस का H5N8 स्ट्रेन मिला है। बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद दिल्ली के जू में सैनिटाइजेशन एक्टिविटी बढ़ा दी गई हैं। जू के कैंपस में लाइम सॉल्यूशंस, विक्रोन-एस और सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव किया जा रहा है। दिल्ली जू के एक अधिकारी ने बताया कि सभी ऐहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। जू में 11 जनवरी को सीरोलॉजिकल सर्वे किया गया था। जू में कई प्रवासी पक्षी है मौजूद जू के डायरेक्टर रमेश कुमार पांडे ने बताया कि चिड़ियाघर में पिंजरों में बंद पंछियों के अलावा प्रवासी पंछी भी आते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों से आने वाले इन पंछियों की संख्या इस समय कई सौ है। बर्ड फ्लू की आशंका को देखते हुए नेशनल ज़ू अथॉरिटी ने गाइडलाइंस जारी की हुई हैं। इसके अलावा केंद्रीय और राज्यस्तरीय कई एजेंसियों ने भी बर्ड फ्लू से निपटने के लिए एहतियात कदम उठाने के निर्देश दिए थे। उनका तुरंत पालन किया जा रहा है।

कंगना के खिलाफ जांच के लिए पुलिस को मिला समय, जावेद अख्तर ने दायर की थी मानहानि की शिकायत

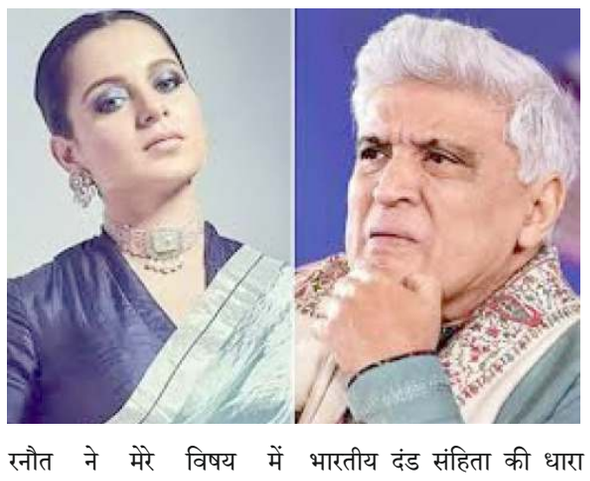

मुंबई। महानगर की एक स्थानीय अदालत ने गीतकार जावेद अख्तर द्वारा फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ की गई शिकायत पर जांच के लिए पुलिस को और समय दिया है। शनिवार को अंधेरी कोर्ट में जावेद अख्तर के मानहानि से जुड़ी शिकायत पर सुनवाई हुई। महानगरीय दंडाधिकारी के सामने सरकारी वकील ने कहा कि पुलिस को अभी इस मामले की जांच के लिए रनौत का बयान दर्ज करना है। इसलिए पुलिस को थोड़ा वक़्त दिया जाए। इसके बाद महानगरीय दंडाधिकारी ने मामले की सुनवाई 1 फरवरी 2021 तक के लिए स्थगित कर दी।
गीतकार अख्तर ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि रनौत ने फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मौत से जुड़े मामले को लेकर एक चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान मुझ पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनकी इस टिप्पणी से मुझे भारी मानसिक पीड़ा पहुची है। गीतकार अख्तर ने शिकायत में कहा है कि मेरा सुशांत मामले से कोई लेना देना नहीं है। फिर भी रनौत ने मेरे विषय में आपत्तिजनक टिप्पणी की है। जिससे मेरी मानहानि हुई है। इसलिए रनौत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 499 व 500 के तहत मुकदमा चलाने का निर्देश दिया जाए।
वकील को जीएसटी के नोटिस पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक
उधर बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक वकील को सेवा कर को लेकर जारी की गई नोटिस पर अंतरिम राहत के तौर पर रोक लगा दी है। अधिवक्ता संजीव शाह को यह नोटिस 28 दिसंबर 2020 को केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर के सहायक आयुक्त (मुंबई पश्चिम) ने जारी की थी जिसके खिलाफ शाह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में दावा किया गया है कि वकीलों व उसके पार्टनरशिप फर्म को सेवा कर से छूट के विषय में केंद्र सरकार की ओर से कई अधिसूचनाए जारी की गई है। फिर भी नियमो के विपरीत याचिकाकर्ता (शाह) को नोटिस जारी की गई है। इसलिए इसे रद्द कर दिया जाए। न्यायमूर्ति उज्जल भुयान व न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की खंडपीठ ने याचिका पर गौर करने के बाद सहायक आयुक्त की ओर से जारी की गई नोटिस पर अगले आदेश तक रोक लगा दी और आयुक्त को इस बारे में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने अब इस याचिका पर सुनवाई 15 मार्च 2021 को रखी है।

रक्षा में आत्मनिर्भरता

वायुसेना के लिए 83 हल्के लड़ाकू विमान तेजस की खरीद को सरकार द्वारा दी गई मंजूरी मौजूदा हालात में कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। देश के अंदर निर्मित तेजस विमान खरीदने का यह 48,000 करोड़ रुपये का सौदा घरेलू रक्षा उद्योग के लिए संजीवनी साबित हो सकता है। देश के अंदर रक्षा खरीद का यह अब तक का सबसे बड़ा सौदा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ठीक ही उम्मीद जताई है कि तेजस कार्यक्रम भारत के एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग का पूरा इकोसिस्टम बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ध्यान रहे कि इस ऑर्डर को पूरा करने के क्रम में डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी देश की करीब 500 छोटी-बड़ी कंपनियां हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हाल) के साथ मिलकर काम करेंगी। स्वाभाविक रूप से यह फैसला इन क्षेत्रों को नए जोश से भर सकता है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ने में भी इससे मदद मिलेगी। हालांकि इस विमान

को बनाने में हमारी प्रगति कितनी धीमी रही है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि देश के अंदर लड़ाकू विमान बनाने का यह प्रॉजेक्ट 50 साल से ज्यादा पुराना है। पहली बार 1969 में सरकार ने एयरोनॉटिक्स कमिटी की यह सिफारिश मंजूर की थी कि 'हाल' को देश में ही लड़ाकू विमान बनाने चाहिए। इसके बाद अलग-अलग कारणों और प्राथमिकताओं के चलते इस प्रॉजेक्ट पर काम चींटी जैसी रफ्तार से ही आगे बढ़ा। अस्सी के दशक में जब वायु सेना को यह महसूस हुआ कि मिग-21 पुराने पड़ते जा रहे हैं और इनकी जगह भारतीय लड़ाकू विमानों की जरूरत उसे पड़ने वाली है, तब जरूर तेजस प्रॉजेक्ट में कुछ तेजी आई। खास बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को लेकर सचमुच गंभीर हुई है और उसने कई ऐसे फैसले किए हैं जिनसे इस दिशा में आगे बढना आसान हुआ है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल मई में देश के अंदर बने मिलिट्री हार्डवेयर की खरीद के लिए अलग से बजट प्रावधान करने की घोषणा की थी। रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा भी 49 फीसदी से बढ़ाकर 74 फीसदी कर दी गई थी। इसके अलावा ऐसे हथियारों की सालाना सूची जारी की गई जिनका आयात नहीं किया जाएगा। इन कदमों की अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि सरकार ने साल 2025 तक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का टर्नओवर 1.75 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। जाहिर है, रक्षा में आत्मनिर्भरता के संकल्प से रोजगार बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को गति देने का दोहरा उद्देश्य पूरा हो सकता है। मगर सबसे बड़ी बात यह कि दोतरफा सीमा तनाव के मौजूदा माहौल ने राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर जो अतिरिक्त चिंताएं पैदा की हैं,

उनका सबसे अच्छा जवाब सैन्य जरूरतों के मामले में अधिक से अधिक आत्मनिर्भरता से ही दिया जा सकता है।

बड़े बेआबरू होकर

किरीट ए. चावड़ा

अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा देकर सत्ता में आए डोनाल्ड ट्रंप एक ही कार्यकाल में दो बार महाभियोग का सामना करने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। बुधवार को अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव 197 के मुकाबले 232 मतों से पारित कर दिया गया। खास बात यह कि ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के भी दस सांसदों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया।

इसी 20 जनवरी, यानी अगले बुधवार को ट्रंप का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। लेकिन उससे पहले 19 जनवरी को ही संसद के ऊपरी सदन सीनेट में इस प्रस्ताव पर वोटिंग होनी है। वहां डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुमत को देखते हुए प्रस्ताव का पास होना तय माना जा रहा है। पूछा जा सकता है कि सिर्फ एक दिन के लिए महाभियोग चलाने की इस कवायद का भला क्या मतलब है। इस सांकेतिक कार्रवाई से क्या हासिल होने वाला है? असल में ऐसी कार्रवाइयों को कम महत्वपूर्ण मानने का ही नतीजा हमें पूरी दुनिया में लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार करने वाले आल्ट-राइट (अति-दक्षिणपंथ) के उभार के रूप में

देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से ही ट्रंप खुद को अमेरिकी लोकतंत्र के नियमों और संस्थाओं से ऊपर की चीज दर्शाते रहे हैं। पेरिस जलवायु समझौते से वे यह कहते हुए बाहर आ गए कि यह समझौता बराक ओबामा ने किया था, जैसे ओबामा उन्हीं की तरह एक निर्वाचित राष्ट्रपति न होकर धोखे से इस पद पर काबिज हो गए हों। हाल में राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद तो उन्होंने मतदाताओं के फैसले को मानने से ही इनकार कर दिया। हर उपलब्ध मंच पर उनका दावा खारिज हो गया, फिर भी वे चुनाव में धोखाधड़ी की बात पर अड़े रहे। और फिर जिस दिन चुनाव नतीजों पर संसद की मोहर लगनी थी, उसी दिन ट्रंप समर्थकों ने संसद में घुसकर जो उत्पात मचाया, वह अमेरिकी इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय बन गया है। सबसे अहम सवाल अब यही है कि इस प्रकरण को लेकर अमेरिकी लोकतंत्र कितनी सख्ती बरतता है। दुनिया भर में लिबरल राजनीतिक धाराओं का चलन ऐसी प्रवृत्तियों से निपटने के मामले में ढीलापोली बरतने का ही रहा है। धुर दक्षिणपंथी ताकतों को हराकर सत्ता में आने के बाद झगड़े-टंटे से बचकर राज करना ही उनकी एकमात्र प्राथमिकता हो जाती है। यही वजह है कि हुल्लड़बाज ताकतों द्वारा जनतांत्रिक संविधान के साथ खिलवाड़ की कोशिशें पूरी दुनिया में तेज हुई हैं। अमेरिकी संसद ने महाभियोग का फैसला लेने के क्रम में दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर यह संदेश दिया है कि देश का संवैधानिक ढांचा कोई राजनीति करने की चीज नहीं है और अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसका मुकाम एक ऐसी लक्ष्मण रेखा का है, जिसे अगर राष्ट्रपति भी पार करता है तो उसे इसका दंड भुगतना होगा।

चांद सी महबूबा और इश्क कमीना

जिगर डी वाढेर

हाल की एक सर्द सुबह रेडियो पर साहिर लुधियानवी के गाने बज रहे थे। सुनते हुए फैज की वह पंक्ति भी याद आ रही थी- मुझसे पहली सी मोहब्बत मेरी महबूब न मांग। सत्तर के दशक में आकाशवाणी पर फौजी भाइयों के लिए आने वाला जयमाला कार्यक्रम याद आने लगा। तब एक रात इसे मशहूर क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी पेश किया था और जो गाना उन्होंने अपनी पत्नी मार्शनील को समर्पित किया, वह था- 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था/ हां तुम बिल्कुल वैसी हो, जैसा मैंने सोचा था।' इस गाने के बारे में सोचकर एकाएक लगा कि एक समय साहित्य की तमाम विधाओं और हिंदी फिल्मों में सौंदर्य का बोलबाला हुआ करता था। कोई कविता, कोई गीत इसके बिना पूरा ही नहीं होता था। उनका पोर-पोर नख-शिख वर्णन, रस, छंद, अलंकार से भरा रहता था। उससे भी पहले नायिका भेद कवियों का प्रिय विषय था। तब पश्चिम के 36-24-36 वाले मानकों की तो कोई जानकारी कवियों, लेखकों को नहीं थी, लेकिन 'कटि को कंचन काटि के कुचन माहिं धरि दीन' जैसी पंक्तियों को सब खूब याद रखते थे। कविताओं और महाकाव्यों में भी धीरोदात्त नायक या लोककथाओं के राजकुमार सुंदरता के प्रतीक होते थे। मंदिरों की मूर्तियों को ध्यान से देखें तो वहां भी न केवल स्त्रियों बल्कि पुरुषों के भी अंग-प्रत्यंग में सौंदर्य झलकता है। सुंदरता के प्रति जागरूकता सिंधु घाटी की सभ्यता में भी मिलती है। वहां खनन में पाई गई 3000 साल से भी पुरानी मूर्तियों में पुरुषों के सलीकेदार दाढ़ी-बाल और स्त्रियों के सुगठित शरीर पर गहने नजर आते हैं। जाहिर है, दोनों ही खुद को सुंदर दिखाना चाहते थे। देखा जाए तो सुंदरता के प्रति हम सहज रूप से आकर्षित होते हैं। कोई फूल, कोई पक्षी या कोई इमारत भी हमें सुंदर लगती है तो अपनी तरफ खींचती है। अपने इतने बड़े देश में सौंदर्य के कितने सारे मानक मौजूद हैं। हर इलाके में थोड़ा अलग। कश्मीर में गौर वर्ण लोग मिलते हैं तो दक्षिण में श्याम वर्ण, लेकिन दोनों जगह सुंदर लोग अपनी-अपनी तरह से सुंदर होते हैं। फिल्मी दुनिया में दिनोंदिन सुंदरता का मानक पतला-दुबला शरीर होता गया है, लेकिन हमारी प्रदर्शन कलाओं में स्त्रियां प्रायः भरे-पूरे शरीर की होती हैं और सुंदर लगती हैं।

पुराने छपे चित्र देखें या मूर्तियां तो वहां औरतों के शरीर का गठन भी ऐसा ही हृष्ट-पुष्ट है। अधिकांश महाकाव्यों में भी इसी तरह का सौंदर्य वर्णन मिलता है। सुंदरता का एक अर्थ हमारे रिश्तों से भी जुड़ा है। हर मां को अपना बच्चा और हर बच्चे को अपनी मां सुंदर दिखती है। कुछ दिन पहले मैंने एसिड अटैक सर्वाइवर लक्ष्मी अग्रवाल का इंटरव्यू पढ़ा था। इसमें लक्ष्मी ने कहा था कि 'मुझे लगता था, मेरी बेटी मुझे देखकर डर जाएगी।

लेकिन वह तो मुझे बहुत चाहती है।' अपनी मां के प्रति ऐसा ही सौंदर्यबोध आप किसी भी बच्चे में पा सकते हैं।

अन्यथा न लें तो यहां रामचंद्र शुक्ल का वह कथन भी दोहराया जा सकता है कि बंदर को बंदरिया के मुख में ही सौंदर्य नजर आता होगा। यानी सौंदर्य के लिए सार्वभौम मानक तय नहीं किए जा सकते। सौंदर्य की परिभाषाएं तब बहुत बुरी लगती हैं, जब वे किसी को नीचा दिखाने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। जैसे किसी लड़की को उसकी शक्ल के आधार पर विवाह के लिए रिजेक्ट करना या किसी की शक्ल-सूरत पर हंसना, अपने सौंदर्य के मानक दूसरे पर लादकर उसे जीवन की रेस से ही बाहर कर देना। इधर जब से भारतीय समाज में मनोरंजन उद्योग बढ़ा है,

तब से सौंदर्य के एकांगी मानक हर किसी पर लाद दिए गए हैं। इनकी सबसे ज्यादा शिकार औरतें बनी हैं, लेकिन जोड़ा इन्हें स्त्रीवाद और स्त्री अधिकारों से जाता है। पहले जो पैदाइशी सुंदर होता था, वही सुंदर माना जाता था। बाकी को उसके किसी न किसी गुण या अदा से सुंदर माना जाता था। किसी को असुंदर बताना चुगलखोरी का हिस्सा था। आम लोगों के बीच ऐसा कोई चलन नहीं था। लेकिन अभी आपको सुंदर दिखाने, बनाने के लिए पूरा बाजार और तंत्र मौजूद है, जो आप में असुंदर होने का एहसास भी जगाता है। वह आपको सुंदरता की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रस्तुत है, बस आपकी जेब में पर्याप्त पैसे होने चाहिए। एक समय उत्तर भारत में तीखे नाक-नक्श को सौंदर्य का मानक समझा जाता था। लेकिन सौंदर्य प्रसाधन निर्माताओं को लगा होगा कि ऐसे मानकों से बाजार सिकुड़ता है।

मुनाफा तो तभी बढ़ेगा जब ग्राहक बढ़ें। इसलिए पिछले तीन दशकों में सौंदर्य को त्वचा से जोड़ दिया गया। पंचलाइन दी गई- 'उसकी त्वचा से तो उसकी उम्र का पता ही नहीं चलता।' इसमें सभी तरह के भेदभाव अपने आप दूर हो गए, बची रह गई सिर्फ त्वचा। इस 'स्किन-डीप' सौंदर्य के प्रति बढ़ते लगाव का ही परिणाम है कि न केवल शहरों के हर गली-नुक्कड़ पर बल्कि गांवों में भी ब्यूटी पार्लर खुल गए हैं। वहां महिलाएं अपना काम शुरू करना चाहती हैं तो वे पापड़-बड़ियां बनाने, बकरी-मुर्गी पालने या खेती करने के लिए नहीं,

ब्यूटी पार्लर चलाने के लिए ऋण मांगती हैं। सुनील गावस्कर द्वारा पेश जयमाला कार्यक्रम में उन्होंने जो गाना अपनी पत्नी को समर्पित किया था, उसके बारे में सोचकर लगा कि अपने देश में सौंदर्य का बाजार जितना बढ़ा, उतना ही सौंदर्य वर्णन कविता-कहानी और फिल्मों से दूर होता गया। साहित्य या सिनेमा में अब कोई अपनी प्रेमिका को देखकर 'चांद सी महबूबा हो मेरी' जैसा कुछ नहीं गाता।

कला माध्यमों में संघर्ष का विचार पनपता रहा और जीवन में महिलाएं स्वास्थ्य की कीमत पर सुंदर दिखने की दौड़ में शामिल होती गईं।

स्त्रीवादी विचार ने कहा- सुंदर दिखने-दिखाने का बोझ सिर्फ औरतें ही क्यों ढोएं? लेकिन सौंदर्य के मानकों को चौबीसों घंटे पीठ पर लादे रहने की नियति से इस विचार की कई प्रवक्ता भी न मुक्त थीं, न हैं। वैसे भी विरोध की राजनीति कुछ ऐसी होती है कि जिसका विरोध करते हैं, वैसे ही होते जाते हैं। मजेदार बात यह कि एक तरफ सौंदर्य प्रतियोगिताएं, 'ब्यूटी विद ब्रेन्स' और 'ब्यूटी विद एंपथी' (बुद्धिमान-दयावान सौंदर्य) जैसे नुस्खों के जरिये अपना औचित्य साबित करने में जुटी हैं, दूसरी तरफ साहित्य-कला की तमाम विधाओं में सौंदर्य को पराई चीज समझा जाने लगा है। हालांकि साहित्य के बारे में कहा यही जाता है कि उसका काम समाज की सच्ची तस्वीर दिखाना है। कुछ तो बात है कि किसी की सुंदरता पर आज दिल पर छप जाने लायक एक शब्द नहीं लिखा जाता, जबकि प्रेम जैसे कोमल रिश्ते के लिए 'इश्क कमीना' जैसा जुमला चल जाता है।

मुश्किल में रहेंगी दुनिया भर की रसोइयां, समझिए क्यों

भूपेन्द्र पटेल

कृषि उपजों के ग्लोबल बाजार में ऐसे दृश्य कम दिखाई देते हैं। ब्लूमबर्ग के बोर्ड पर चार खेतिहर चीजों की कीमतें हमेशा नजर आती हैं। मक्का, गेहूं, सोयाबीन और कोको (चॉकलेट की मूल वनस्पति)। इन चारों की मार्च की वायदा कीमतें पिछले कई दिनों से हर रोज पिछले दिन की तुलना में चढ़ी दिख रही हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से खाद्य पदार्थों की कीमतों की जो ग्लोबल माप रखी जाती है, उसमें मई 2020 से इस साल की शुरुआत तक 18 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक खाद्य सामग्री में महंगाई का यह रुझान 2021 में पूरे साल जारी रह सकता है। जाहिर है, कोविड महामारी के चलते लोगों की बेरोजगारी और घटी आमदनी को देखते हुए दुनिया के अमन-चैन के लिए यह कोई अच्छा लक्षण नहीं है। एमएसपी पर सवालआज जब बाजार के लिए उत्पादन करने वाले भारत भर के किसान नए कृषि कानूनों को अपने लिए फांसी का फंदा बताते हुए भयानक ठंड में दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले पड़े हैं, तब खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से एक नजर पूरी दुनिया पर डालना बनता है। हाल में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने यहां जारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था को आधी सदी पुरानी, खाद्य संकट वाले दौर की चीज बताते हुए कहा था कि अभी न सिर्फ कई कृषि उत्पादों के लिए बाजार मूल्य से ज्यादा एमएसपी निर्धारित होता है बल्कि ज्यादातर मामलों में यह उनकी अंतरराष्ट्रीय कीमतों से अधिक होता है। इस प्रस्थापना पर ठोस बात तथ्यों की रोशनी में ही की जा सकती है, पर इतना तय है कि कृषि उपजों की सरकारी खरीद से भारत में एक निश्चित मात्रा में इनका उत्पादन सुनिश्चित रहता है और कई देशों में हाल तक होने वाले 'फूड रॉयट्स' जैसे प्रकरण अपने यहां नहीं सुनाई देते। 2008 और 2011 में आए ग्लोबल खाद्य संकट के दौरान कुछ खाड़ी देशों और कई अफ्रीकी देशों में खाद्य पदार्थों की कमी से हुई उथल-पुथल वहां जिस बदअमली की वजह बनी, उसका हल आज तक नहीं निकल पाया है। वैसी कोई नौबत आज दुनिया के सामने नहीं है क्योंकि तब की तरह खाद्य संकट के समानांतर कोई ईंधन संकट अभी अजेंडा पर नहीं है। लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण जैसी बेरोजगारी और समाज के बड़े हिस्से की आमदनी में गिरावट आज देखी जा रही है, उसमें 2011 से काफी छोटा खाद्य संकट भी लोगों में भारी बेचैनी पैदा कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की कोशिश दुनिया को इसी खतरे से आगाह करने की है। अभी वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों के महंगे होने की वजह क्या है, इस बारे में हम बिंदुवार बात करते हैं। कुछ चीजों की कीमतें प्रवासी मजदूरों की संख्या कोविड के चलते अचानक घट जाने के कारण बढ़ी हैं। इनमें सबसे ऊपर है मलयेशिया का पाम ऑयल, जिसका असर सारे तेल अचानक महंगे हो जाने की शक्ल में आपको अपने किचन में दिख रहा है। मई से अब तक इसकी ग्लोबल कीमत दस फीसदी ही बढ़ी है, लेकिन इसके बल पर फर्जी धंधा करने वालों ने अपनी चिप्पी वाले तेल मनमाने ढंग से महंगे कर दिए हैं। दिलचस्प बात यह कि पाम ऑयल का इस्तेमाल जनरल स्टोर्स पर बिकने वाले आधे सामानों में होता है। आपको शायद ही पता हो कि पिछले कुछ महीनों में ये सभी या तो महंगे हो गए हैं या पुरानी कीमत पर ही वजन घटाकर बेचे जा रहे हैं। हाल में कोविड के मामले बढ़ जाने से मलयेशिया सरकार ने पाम की चुनाई और पेराई, दोनों के दिनों और घंटों में नई कटौती के आदेश पारित किए हैं, जिसका असर आने वाले दिनों में नजर आएगा। मक्का, सोयाबीन और ज्वार महंगा होने की वजह दोहरी है। इनकी मांग और आपूर्ति, दोनों में दबाव देखा जा रहा है। चीन में ये तीनों चीजें सबसे ज्यादा सुअरों को खिलाई जाती हैं, जो वहां मुख्य भोजन 'स्टेपल डाइट' माने जाते हैं। हाल तक चीनी अपने लिए ज्यादातर सुअर का मांस अमेरिका से मंगाते थे। बीमारी और ट्रेड वॉर के चलते इसमें कमी आई तो उन्होंने अपने सुअर पालन का पैमाना बढ़ा दिया। पिछले साल दक्षिणी चीन में खाद्य संकट की खबरें भी आई थीं। इसके दोहराव से बचने और दुनिया में अलग-थलग पड़ने का खतरा बढ़ने के कारण वे अभी ये तीनों कृषि उत्पाद खरीदने में जुट गए हैं। लेकिन इनकी खेती सबसे ज्यादा दक्षिणी अमेरिका और अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में होती है, जो पूरा इलाका अभी सूखे का सामना कर रहा है। अर्जेंटीना ने खतरा भांपकर सोयाबीन के सारे एक्सपोर्ट लाइसेंस कैंसिल कर दिए हैं, जिसके विरोध में वहां के किसानों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस दिया है। ऐसे सरकारी हस्तक्षेप ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में तेजी की तीसरी वजह बन रहे हैं। जिस गेहूं की धुरी पर आजकल दुनिया की सारी रसोइयां घूमती हैं, उसका सबसे बड़ा निर्यातक रूस फरवरी से गेहूं, जौ और मक्के के निर्यात पर रोक लगाने वाला है। इसकी सीधी वजह इन चीजों की बढ़ी कीमतों का फायदा उठाना और खुद को खाद्य संकट से सुरक्षित करना है। रूस की मुख्य निर्यात सामग्री एक अर्से से कच्चा तेल ही बना हुआ है, जो कोविड के शुरुआती महीनों में पाताल छूने लगा था। अमेरिकी शेल ऑयल की बहुतायत से इसमें आगे भी किसी तीखी चढ़ाई की उम्मीद नहीं है।

समृद्धि का कोई नया जरिया अपने सामने न देखकर पूतिन अनाज को ही हथियार बनाने में जुट गए हैं। पाकिस्तान की मुश्किल दक्षिण एशिया की कुछ सबसे उपजाऊ जमीनों का मालिक हमारा पड़ोसी पाकिस्तान कृषि उत्पादन से जुड़ी बदइंतजामियों के चलते आज खाद्य पदार्थों की असाधारण महंगाई का सामना कर रहा है। इमरान का मुकाबला जिन 11 पार्टियों के गठबंधन से है, वे हाल तक अस्तित्व के संकट से गुजर रही थीं। लेकिन महंगी रोटी ने उन्हें इतनी ताकत बख्श दी कि पूर्व क्रिकेटर की बोलती बंद है। अनाज, दलहन और तिलहन की ग्लोबल महंगाई आने वाले दिनों में सभी उभरते देशों के गरीब तबकों पर बहुत भारी पड़ने वाली है। ऐसे में मोदी सरकार की पहली चिंता किसानों को अधिकतम उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने और कृषि उपजों को सुरक्षित रखने के लिए अच्छे सरकारी गोदाम बनवाने की होनी चाहिए। इसके उलट खेती को खुले बाजार के हवाले करने की नीति भारत को उसी संकट में वापस लौटा सकती है, जो अब किसी को याद भी नहीं आता।

Fake TRP Scam में आरोपी BARC के पूर्व सीईओ पार्थो दासगुप्ता की तबीयत खराब, जेजे अस्पताल में हुए भर्ती

मुंबई, बार्क (BARC) के पूर्व सीईओ पार्थो दासगुप्ता की तबीयत बिगड़ने की वजह से उन्हें मुंबई के जेजे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। टीआरपी घोटाले के आरोपी पार्थो को शुक्रवार की शाम तबीयत बिगड़ने के चलते अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। फिलहाल उन्हें आईसीयू में ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। आपको बता दें कि मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी के सीईओ विकास खानचंदानी, रोमिल रामगढ़िया और बार्क के सीईओ पार्थो दासगुप्ता के खिलाफ टीआरपी घोटाला मामले में 3400 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। दासगुप्ता पर आरोप सचिन बजे के मुताबिक दासगुप्ता भी इस पूरे गोरखधंधे में शामिल थे और उनके ऑफिशियल ईमेल आईडी और व्हाट्सएप चैट के माध्यम से रिपब्लिक टीवी के पदाधिकारियों से उनकी बातचीत हो रही थी। दासगुप्ता ने फिलहाल मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा जमानत रद्द होने पर सत्र न्यायालय में जमानत के लिए अर्जी लगाई है। दासगुप्ता पर पुलिस ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने निजी फायदे के लिए यह सब कुछ किया है। पुलिस ने इस मामले में रिपब्लिक टीवी की सीओओ प्रिया मुखर्जी को भी चार्जशीट में आरोपी बनाया है। आरोपपत्र के मुताबिक रामगढ़िया ने लॉन्चिंग के तकरीबन 40 सप्ताह बाद रिपब्लिक टीवी की टीआरपी में बढ़ोतरी के लिए रिपब्लिक टीवी के प्रतिस्पर्धी चैनलों की टीआरपी रेटिंग में छेड़खानी की थी। खुद को बताया निर्दोष इस पूरे मामले में रिपब्लिक टीवी मैं खुद को निर्दोष बताया है। हालांकि पुलिस डिपार्टमेंट उनके खिलाफ लगातार सबूत अदालत में पेश कर रहा है।

आरोप है कि कुछ घरों को रिपब्लिक टीवी और कुछ अन्य चैनलों को ट्यून करने के लिए रिश्वत दी गई थी।

क्या है मामला

इस मामले की जांच कर रहे हैं पुलिस अधिकारी सचिन वजे के मुताबिक तकरीबन 34 सौ पन्नों की पूरक चार्जशीट टीआरपी मामले में दायर की गई है। इस मामले में अब तक लिए गए 59 गवाहों के बयान और 15 विशेषज्ञ के बयान जिसमें फॉरेंसिक एक्सपर्ट भी शामिल हैं।

पूर्व विधायक हेगडे ने कहा- धनंजय मुंडे मेरे मित्र नहीं, मेरी उनसे जान पहचान भी नहीं

मुंबई। राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली महिला रेणु शर्मा के खिलाफ हनी ट्रैप में फंसाने का आरोप लगाने वाले भाजपा नेता व पूर्व विधायक कृष्णा हेगडे ने कहा है कि उनकी धनंजय मुंडे मेरे मित्र नहीं है। मेरी उनसे जान पहजान भी नहीं है।

गौरतलब है कि मुंडे के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला रेणु शर्मा ने कहा है कि अपने राजनीतिक मित्र धनंजय मुंडे को बचाने के लिए हेगडे मुझ पर झुठे आरोप मढ़ रहे हैं। शनिवार को हेगडे ने कहा कि धनंजय मुंडे को मैं एक राजनीतिक शख्यित के तौर पर जानता हूं पर वे मेरे मित्र नहीं हैं। वर्ष 2012 में मैं उनसे केवल एक बार मिला था। पर हाल के दिनों में बॉलीवुड में जिस तरह के आरोप लगे। राजनीतिक क्षेत्र में भी इस तरह के गलत आरोप न लगें, इस लिए मुझे आगे आना पड़ा। मैं राजनीतिक जगत के सभी लोगों का आभारी हूं कि उन्होंने मेरी भूमिका की सराहना की है। हेगडे ने कहा कि रेणु शर्मा मेरा आदर करती हैं तो वे दूर रह कर ही मेरा आदर करें। गौरतलब है कि रेणु शर्मा ने कहा है कि मैं पूर्व विधायक हेगडे का आदर करती थी।

'नगरसेवकों की नहीं सुनता बीएमसी प्रशासन'

मुंबई, कोरोना को मात देने के लिए वैक्सीन मुंबई पहुंच चुकी है। लेकिन टीकाकरण कैसे होगा, किसे कितना डोज दिया जाएगा और आगे की क्या तैयारी है, इस संबंध में बीएमसी प्रशासन ने नगरसेवकों को कोई जानकारी नहीं दी है। बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में भी बीएमसी प्रशासन ने टीका व टीकाकरण को लेकर स्पष्ट तरीके से कोई बात सामने नहीं रखी। बीएमसी प्रशासन के इस रवैये से सत्ताधारी शिवसेना सहित विपक्षी भाजपा, कांग्रेस, राकांपा एवं सपा के नगरसेवक भड़क गए। नगरसेवकों ने एक सुर में कहा कि प्रशासन स्थायी समिति को कोई महत्त्व नहीं दे रहा है। कमिश्नर के अहंकारी रवैये के खिलाफ नगरसेवकों ने एकमत से स्थायी समिति की बैठक को जल्द ही स्थगित कर दिया। स्थायी समिति अध्यक्ष यशवंत जाधव ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान बीएमसी प्रशासन ने मनमानी की है। स्थायी समिति अध्यक्ष, नेता विपक्ष व गुट नेताओं को प्रशासन ने मांगने के बावजूद कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। बीएमसी की सचिव संगीता शर्मा ने कहा कि 2017 में चुनाव के बाद यह पहला मौका है, जब बीएमसी प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए स्थायी समिति की बैठक को अचानक स्थगित कर दिया हो। नगरसेवकों को नहीं है टीकाकरण की जानकारी नगरसेवकों ने कहा कि टीका कैसे दिया जाएगा, इसकी जानकारी ज्यादातर नगरसेवकों को नहीं है। नगरसेवकों को जानकारी उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जब उन्हीं को जानकारी नहीं है तो वे अपने वॉर्ड में लोगों को क्या जानकारी दें। अतिरिक्त आयुक्त ने दी सफाई नगरसेवकों की नाराजगी को देखते हुए कमिश्नर की प्रतिनिधि अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी भिडे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से उन्हें अब तक जानकारी नहीं मिली है। भिडे की सफाई पर भाजपा की ज्योति अलवणी ने सवालों की बौछार कर दी, जिसका वह जवाब नहीं दे सकीं।

मंत्री असलम शेख के इलाके में राम मंदिर के पोस्टर फाड़े जाने पर भड़की भाजपा

मुंबई। कांग्रेस नेता व राज्य के वस्त्रोद्योग मंत्री असलम शेख के विधानसभा क्षेत्र मालवणी (मालाड) में राम मंदिर निर्माण के पोस्टर फाड़े जाने और विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर भाजपा ने कड़ी नाराजगी जताई है। भाजपा विधायक आशिष शेलार ने कहा कि क्या मंत्री शेख के इलाके में याकूब मेनन की सत्ता है?

भाजपा विधायक शेलार ने कहा- देखते हैं मंदिर के लिए कौन चंदा लेने से रोकता है

शेलार ने ट्वीट कर कहा कि मुंबई शहर के पालकमंत्री असलम शेख के विधानसभा क्षेत्र में कुछ दिनों पहले हिंदू दलित परिवारों पर घर छोड़ कर पलायन के लिए दबाव डालने की खबरे सामने आई थी और अब उस इलाके में राम मंदिर निर्माण को लेकर लगाए गए पोस्टर फाडने और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने की घटना सामने आई है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम का मंदिर बनाने के लिए जनता की सहभागिता है। मुंबई के मालवणी से भी मंदिर निर्माण के लिए बड़ा चंदा एकत्र किया जाएगा। देखते हैं वहां चंदा लेने से कौन रोकता है।

मर्डर के बाद लाश को टॉयलेट की छत पर चुनवाया

- पालघर में प्रेमी ने की प्रेमिका हत्या
- प्रेमिका की हत्या कर लाश को वाशरुम की छत पर चुनवाया
- पहले से शादीशुदा आशिक पर शादी का दबाव बना रहा थी प्रेमिका
- पुलिस में फ्लैट से बरामद किया प्रेमिका का कंकाल

पालघर, महाराष्ट्र के पालघर जिले की यह घटना बेहद ही डराने और चौंकाने वाली है। जहां एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की ना सिर्फ हत्या कर दी बल्कि उसकी लाश को टॉयलेट की छत पर चुनवा दिया। ताकि किसी को इसकी भनक न लग सके। प्रेमी ने बड़े ही शातिराना अंदाज में हत्या को अंजाम दिया है। जिस तरह से दुश्मन फिल्म में लाश को पुलिस स्टेशन के नीचे दफना दिया गया था उसी तरह यहां प्रेमी ने प्रेमिका की हत्या कर उसे टॉयलेट की छत पर चुनवा दिया था।

जिस घर में शादी के बाद रहना था उसी में हत्या

आरोपी उमरोली के रहने वाले आरोपी सूरज भरत और मृतका अमिता मोहिते के बीच में विजय कुछ वर्षों से प्रेम संबंध था। पिछले साल अक्टूबर के महीने में अमिता घर छोड़कर प्रेमी के साथ रहने के लिए पालघर के वनगांव आ गई थी। यहां पर सूरज ने वृंदावन बिल्डिंग में किराए पर एक फ्लैट लिया था।

जिसमें दोनों रहने लगे पुलिस द्वारा जीके दी गई जानकारी के अनुसार अमिता ने सूरज पर शादी के लिए दबाव बनाना शुरू किया। तब दोनों के बीच में झगड़ा हुआ और इसी झगड़े की वजह से सूरज ने अमिता की हत्या कर शव को वॉशरूम के ऊपर चुनवा दिया।

किराया देता रहा आरोपी

इस हत्या की भनक सोसाइटी में किसी को ना लगे।

इसके लिए आरोपी ने उस फ्लैट का किराया देना जारी रखा और वह बीच-बीच में आकर फ्लैट में रुकता भी था। ताकि किसी को भी शक ना हो। हालांकि अमिता के परिवार वाले लगातार उसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन फोन बंद होने की वजह से उससे बातचीत नहीं हो पा रही थी। जबकि सूरज से संपर्क करने पर अमिता के परिवार को यह बताता था की वे दोनों वापी में रहते हैं।

पहले से शादीशुदा था सूरज

पालघर में एक दिन अचानक सूरज अमिता के भाई की गिरफ्त में आ गया। वह उसे सीधे पुलिस स्टेशन लेकर गया। पुलिस ने जब सूरज से अमिता के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह वापी में है। लेकिन जब पुलिस उसे वापस लेकर गई तो वहां उसने अपने बयान बदलने शुरू कर दिए। जिसके बाद पुलिस ने कड़ाई से जब पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूली। उसने बताया कि वह पहले से ही शादीशुदा था। लेकिन अमिता उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इसी गुस्से में उसने अमिता की हत्या कर दी।

कोवैक्सीन को लेकर हाईकोर्ट में दायर हुई याचिका, बगैर मंजूरी के इस्तेमाल का है आरोप

मुंबई। कोरोना से बचाव के आए टीके 'कोवैक्सीन' को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। यह याचिका आरटीआई कार्यकर्ता साकेत गोखले ने दायर की है। याचिका में दावा किया गया है कोवैक्सीन के तीसरे चरण का क्लीनिकल परीक्षण अभी भी जारी है। ड्रग्स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया ने अभी कोवैक्सीन को पूरी मजूरी नहीं दी है। इस वैक्सीन के सिर्फ आपात इस्तेमाल की इजाजत दी गई है। याचिका के मुताबिक विशेषज्ञों की कमेटी ने भी वैक्सीन के सीमित इस्तेमाल को मंजूरी दी है। इसलिए इसके इस्तेमाल को लेकर ड्रग्स कंट्रोलर जनरल द्वारा दी गई मंजूरी पर गौर किया जाना जरूरी है। याचिका में गोखले ने कहा है कि उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत कोवैक्सीन की सुरक्षा व प्रभाव को लेकर जानकारी मांगी थी। लेकिन अब तक उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। इसलिए संबंधित विभाग को उन्हें कोवैक्सीन के बारे में आरटीआई के तहत जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा जाए। क्योंकि वे वैक्सीन के बारे में जानने का हक रखते है। वैक्सीन से जुडी जानकारी न देना उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। इसलिए यह याचिका दायर की गई है।

याचिका के मुताबिक भारत बॉयोटेक की 'कोवैक्सीन' के सिर्फ सीमित व आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी गई है। इस वैक्सीन के दूसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के निष्कर्ष को सार्वजनिक नहीं किया गया है। किसी स्वतंत्र वैज्ञानिक की इस वैक्सीन को लेकर समीक्षा भी सामने नहीं आयी है। फिर भी इसका इस्तेमाल शुरु हो गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को 'वर्ल्ड क्लास' बनाने की रेस में अडानी भी

मुंबई, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने और इसके अधिकृत क्षेत्र को रीडिवेलप करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस कड़ी में इंडियन रेलवे स्टेशन डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन (आईआरएसडीसी) को दस कंपनियों की अर्जियां प्राप्त हुई हैं। ये अर्जियां रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफक्यू) के लिए हैं। अर्जी देने वाली कंपनियों में ओबेरॉय रियलिटी लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टी लिमिटेड और अडानी रेलवेज ट्रांसपोर्ट लिमिटेड सहित दस कंपनियों के नाम शामिल हैंगौरतलब है सीएसएमटी स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने का काम पीपीपी मॉडल पर किया जा रहा है। इसमें लाभान्वित कंपनी को लीज पर रेलवे की जमीन दी जाएगी, जिसका इस्तेमाल रीडिवेलपमेंट के लिए भी किया जाएगा।सीएसएमटी बनेगा मल्टी मॉडल हबरीडिवेलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत सीएसएमटी रेलवे स्टेशन को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाया जाएगा। इसमें आगमन और प्रस्थान, दिव्यांग अनुकूल स्टेशन, यात्रियों के लिए सेवाओं के बेहतर स्तर, ऊर्जा कुशल भवन और विरासत स्थल को अपने

1930 के स्तर के अनुसार रीस्टोर करना शामिल होगा। सीएसएमटी रेलवे स्टेशन एक सिटी सेंटर रेल मॉल की तरह काम करेगा, जहां एक यात्री की परिवहन आवश्यकताओं के अलावा, उसकी दैनिक जरूरतें भी पूरी होती हों। जैसे- रिटेल, एफ ऐंड बी, एंटरटेनमेंट, सौवेनिर शॉपिंग आदि। इसका उद्देश्य यह है कि उनकी अधिकांश दैनिक आवश्यकताओं को रेलवे स्टेशन पर जाकर पूरा किया जाता है और इस प्रकार शहर के भीतर अनावश्यक यात्रा से बचा जाता हैक्या होगा 'प्राइवे' सीएसएमटी स्टेशन परस्टेशन डिवेलपमेंट प्लान के तहत सभी लाइनों को जोड़ने के लिए सीएसएमटी स्टेशन पर बड़ा डेक बनेगा। इस डेक पर मॉल और कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं होंगी। शहर के सभी ट्रांसपोर्ट को जोड़ा जाएगा। सीएसएमटी स्टेशन के पास बन रहे मेट्रो स्टेशन के सबवे को मौजूदा सबवे से कनेक्ट किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत सीएसएमटी के बगल में मौजूद टैक्सी स्टैंड को हटाया जाएगा। इसके अलावा यात्री टिकट आरक्षण केंद्र यानी पीआरएस हटाया जाएगा। राहगीरों के लिए 'पेडिस्ट्रीयन प्लाजा' भी तैयार किया जाएगा। टैक्सियां जिस बिल्डिंग से बाहर निकलती हैं, वहां की इमारतों को तोड़ कर उसकी जगह पर बहुमंजिला इमारत तैयार कर हेरिटेज गैलरी बनाई जाएगी।अनुमानित लागत- 1642 करोड़निर्माण लागत- 1232 करोड़सुधार के लिए लागत- 53 करोड़हैरिटेज ट्रांसफॉर्मेशन कॉस्ट- 30 करोड़वित्तीय लागत- 328 करोड़प्रोजेक्ट की डेडलाइन- 4 साल

ED की NCP नेता खडसे और उनकी बेटी से पूछताछ, भूमि सौदे मामले में भेजा था समन

मुंबई, प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शुक्रवार को एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे से लंबी पूछताछ की। पुणे में एक भूमि सौदे के सिलसिले में बयान दर्ज करवाने के लिए ईडी ने उन्हें समन भेजा था। खडसे अपनी बेटी के साथ सुबह करीब 11 बजे ईडी दफ्तर आए। शाम साढ़े 5 बजे वह यहां से निकले।

ईडी का आरोप है कि पुणे शहर के करीब भोसरी इलाके में उन्होंने एक जमीन दो लाख रुपये में खरीदी और उसे फिर सात करोड़ रुपये में बेची। बाद में उन्होंने यह रुपये परिवार से जुड़े कई फर्मों में ट्रांसफर किए, लेकिन खडसे हमेशा से अपने ऊपर लगे आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते रहे हैं।

'एजेंसी के साथ पूरा सहयोग करेंगे' इसके बाद एकनाथ खडसे की बेटी शारदा चौधरी भी बयान दर्ज कराने ईडी दफ्तर पहुंचीं। ईडी कार्यालय रवाना होने के पहले अपने घर के बाहर खडसे ने कहा कि वह एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे।

बीजेपी के पूर्व नेता खडसे पिछले साल एनसीपी में शामिल हुए थे। भूमि सौदे के संबंध में आरोपों के बाद खडसे ने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल से 2016 में इस्तीफा दे दिया था। आरोप है कि अपने परिवार के लिए सरकारी जमीन की खरीदारी में उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया। खडसे ने बार बार इन आरोपों से इनकार किया है। ACB ने दाखिल की थी क्लोजर रिपोर्ट ईडी ने खडसे को 30 दिसंबर को तलब किया था, लेकिन वह स्वास्थ्य कारणों से पेश नहीं हुए थे। ईडी के अधिकारियों ने उन्हें एजेंसी के सामने पेश होने के लिए 14 दिनों का समय देने पर सहमति जताई थी। इससे पहले, महाराष्ट्र भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मामले में जांच की थी और क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। आयकर विभाग ने भी मामले में सूचनाएं मांगी थी। ईडी के कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। खडसे के समर्थक वहां जमावड़ा ना लगाएं, इसके लिए बैरिकेड लगाए गए।

धनंजय मुंडे पर पवार नरम, पर भाजपा इस्तीफे पर अड़ी

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार ने भले ही भाजपा नेता की शिकायत के बहाने रेप के आरोपी अपने मंत्री धनंजय मुंडे के मामले में नरम रुख अपना लिया हो और यह भी कह दिया हो कि मुंडे को अभी इस्तीफा देने की जरूरत नहीं है, लेकिन भाजपा का एक खेमा इस मुद्दे को छोड़ने को तैयार नहीं है। भाजपा के कई बड़े नेता मुंडे को मंत्रिमंडल से निकालने की मांग पर अड़े हैं और इसी वजह से शुक्रवार को भी लगातार तीसरे दिन ट्विटर पर '#शेम धनंजय मुंडे' जबरदस्त ट्रेंड करता रहा।

रेप केस में फंसे महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ भाजपा की तरफ से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत दादा पाटील, तेजतर्रार विधायक अतुल भातखलकर और पूर्व सांसद किरीट सोमैया जबरदस्त मोर्चा संभाले हुए हैं। महाराष्ट्र भाजपा के महिला मोर्चा की अध्यक्ष उमा खापरे ने भी सोमवार से मुंडे के मामले के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। प्रदेश भाजपा के युवा मोर्चा अध्यक्ष विक्रांत पाटील ने भी मुंडे का इस्तीफा मांगा है। प्रदेश अध्यक्ष पाटील ने अपने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि मुंडे के इस्तीफे की मांग को जोरदार ढंग से उठाते रहें। सोमवार से राज्य में विरोध प्रदर्शन भाजपा महिला मोर्चा की राज्य प्रमुख उमा खापरे ने कहा कि मुंडे के खिलाफ लगे आरोप बहुत गंभीर हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें तत्काल मुंडे का इस्तीफा ले लेना चाहिए था। खापरे ने कहा कि धनंजय मुंडे के मंत्री पद से इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार से राज्य भर में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। फडणवीस की टीम अधिक उत्साहित नहीं अतुल भातखलकर ने कहा है कि पूरा प्रकरण शर्मनाक है और एनसीपी नेताओं का रवैया निराशाजनक है। दूसरी तरफ पूर्व सांसद सोमैया भी मुंडे की शिकायत लेकर चुनाव आयोग में पहुंचे हैं, लेकिन फडणवीस की टीम बहुत उत्साह नहीं दिखा रही है। इसे लेकर

आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। कुछ लोग इसे भाजपा में फूट बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि यह महाराष्ट्र भाजपा में फडणवीस के घटते प्रभाव का नतीजा है। वजह चाहे जो भी हो, लेकिन यह साफ हो गया है कि भाजपा की अंदरूनी फूट का लाभ उठाकर एनसीपी ने अपने मंत्री को बचाने का रास्ता तलाश कर लिया है।

एक्सरसाइज से सिर्फ दो सप्ताह का ब्रेक आपके स्वास्थ्य को दे सकता है ये 5 नुकसान

सोनल झालावाड़िया

शारीरिक रूप से सक्रिय रहना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए हर रोज कम से कम 45 मिनट के वर्कआउट की सिफारिश की जाती है। पर धुंध भरे सीजन में ज्यादातर लोग इस पर भी कायम नहीं रह पाते। वे सोचते हैं कि कुछ दिन या सप्ताह के लिए एक्सरसाइज स्किप करना समान्य है और इसका स्वास्थ्य पर कुछ खास असर नहीं पड़ता है। पर वास्तव में ऐसा नहीं है। वर्कआउट से कुछ दिन या सप्ताह का ब्रेक लेना आपकी महीनों और सालों की मेहनत पर पानी फेर सकता है। हम बता रहे हैं केवल दो सप्ताह वर्कआउट स्किप करने से आपके शरीर पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में। केवल दो सप्ताह की बाधा शारीरिक फिटनेस में महत्वपूर्ण गिरावट का कारण बन सकती है। एप्लाइड फिजियोलॉजी के जर्नल के एक अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला है कि सिर्फ 14 दिन का ब्रेक हार्ट हेल्थ, मांसपेशियों और इंसुलिन संवेदनशीलता को कम करता है। वर्कआउट करना हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। लेकिन जब आप कुछ कुछ हफ्तों के लिए एक्सरसाइज स्किप करती हैं, तो आपका दिल न सिर्फ अतिरिक्त प्रवाह को संभालने की अपनी क्षमता को खोना शुरू कर देता है, साथ ही आपके शरीर की ऑक्सीजन को प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता, जिसे VO2 मैक्स कहा जाता है, उसमें भी गिरावट आती है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया है कि दो से तीन महीनों में व्यायाम के माध्यम से प्राप्त की गई अधिकांश एरोबिक क्षमता, दो से चार सप्ताह वर्कआउट स्किप करने के चलते खो जाती है। जब आप कुछ समय के लिए वर्कआउट करना बंद कर देती हैं, और फिर से इसकी शुरुआत करती हैं, तो आप निस्संदेह अपनी मांसपेशियों में परिवर्तन को नोटिस करेंगे। वे छोटी और कमजोर हो जाएंगी। यदि आप उच्च तीव्रता का व्यायाम या भार प्रशिक्षण कर रहे हैं, तो आप अपने मांसपेशियों के धीरज में कमी पाएंगे। इससे वर्कआउट के दौरान आपकी मांसपेशियों के चोटिल होने की संभावना भी बढ़ जाती है। एक फिट और आकर्षक बॉडी पाने के लिए हम क्या कुछ नहीं करते हैं। लेकिन जब हम कुछ हफ्तों के लिए अपने वर्कआउट को स्किप कर देते हैं, तो हमारे बॉडी शेप में परिवर्तन होने लगता है। जिस बॉडी शेप को प्राप्त करने के लिए हम महीनों और सालों से वर्कआउट कर रहे थे, वह कुछ हफ्तों के लिए वर्कआउट को स्किप करने से आसानी से प्रभावित हो सकती है। साथ ही अगर वर्कआउट को स्किप करने के दौरान आप संतुलित आहार का पालन नहीं करते हैं, तो आपका वजन भी बढ़ सकता है। व्यायाम करने के एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह आपके ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। लेकिन जब आप कुछ हफ्तों के लिए एक्सरसाइज स्किप करती हैं, तो आपका ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है। एक अध्ययन के अनुसार आप 6 महीनों के कड़े प्रशिक्षण के बाद आप जितना ब्लड प्रेशर कम करते हैं, सिर्फ दो हफ्तों के लिए वर्कआउट न करने से ब्लड प्रेशर में तेजी से वृद्धि होती है। आम तौर पर, आपके खाने के बाद आपका रक्त शर्करा बढ़ जाता है, फिर आपकी मांसपेशियां और अन्य ऊतक ऊर्जा के लिए आवश्यक शर्करा को अवशोषित करते हैं। जब आप लगातार व्यायाम करते हैं तो आपका ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। लेकिन जब आप कुछ हफ्तों के लिए एक्सरसाइज नहीं करती हैं, तो ब्लड शुगर लेवल के अनियंत्रित होने और मधुमेह का जोखिम बढ़ जाता है। मेडिसिन एंड साइंस इन स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि रक्त शर्करा का स्तर युवा, आम तौर पर स्वस्थ व्यक्तियों में सिर्फ 3 दिनों की निष्क्रियता के बाद बढ़ा है।

इम्युनिटी मजबूत करने के साथ आपके मन को भी शांत रखती हैं ये 7 आयुर्वेदिक चीजें

संजय शर्मा

सर्दी के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि अपनी इम्युनिटी मजबूत की जाए।ऐसे में ग्रीन डाइट के साथ कुछ ऐसी जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल करने की जरुरत है, जिससे कि हमारी इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग होने के साथ हम छोटी-मोटी सीजनल बीमारियों से भी जल्दी रिकवर हो सकें। आजकल नेचुरापैथी यानी प्राकृतिक चिकित्सा के बढ़ते प्रचलन के कारण न सिर्फ जड़ी-बूटियों का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है, बल्कि इनके इस्तेमाल को लेकर लोगों की जागरूकता भी बढ़ रही है। ये जड़ी-बूटियां अनेक बीमारियां दूर करने में तो सहायक हैं हीं, मानसिक शांति के लिए भी इनका इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी बहुत सी जड़ी-बूटियां हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इनमें से बहुत-सी तो हमारी रसोई में ही मिल जाती हैं।

तुलसी

सर्दी-जुकाम, बुखार, सूखा रोग, निमोनिया, कब्ज, अतिसार जैसी समस्याओं में बहुत उपयोगी औषधि है।

लहसुन

एंटी बैक्टीरियल तत्वों से युक्त है। इसकी एक कली के सेवन से विटामिन ए, बी, सी के साथ आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पा सकते हैं।

दालचीनी

खान-पान में इस्तेमाल होने पर उसमें उपस्थित वायरस और बैक्टीरिया को नष्ट कर देती है। शोधों में प्रमाणित हुआ है कि जिन खाद्य पदार्थों में दालचीनी का प्रयोग होता है, उनमें 99.9 प्रतिशत तक कीटाणु होने की आशंका खत्म हो जाती है।

लौंग

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ यह एक अच्छी एंटीऑक्सीडेंट और बैक्टीरिया को खत्म करने वाली है।

अदरक

जी मिचलाने, उल्टी, मोशन सिकनेस आदि समस्याओं के समाधान में सहायक है। यह पाचन क्रिया में भी सहायक है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा का इस्तेमाल त्वचा के साथ-साथ कई तरह की बीमारियों में भी लाभकारी है।

ग्रीन टी

यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। यह कॉलेस्ट्रॉल नियंत्रित कर हार्ट अटैक और स्ट्रोक से बचाव करती है।

सावधानियां :

जड़ी-बूटियां तभी अपना असर दिखाएंगी, जब उनमें किसी तरह की मिलावट न हो। आजकल बाजार में नकली जड़ी-बूटियों की भरमार है, इसलिए आपको सतर्क रहने की जरूरत है। हमेशा विश्वसनीय दुकान से ही जड़ी-बूटी खरीदें। जड़ी-बूटियां निश्चित अनुपात में ही ली जानी चाहिए। एलो वेरा जूस एक चम्मच लेना चाहिए, व्हीट ग्रास और आंवला जूस एक-एक चम्मच पानी के साथ लेना चाहिए, उनका लापरवाही से इस्तेमाल न करें।

मोटापा और डायबिटीज ही नहीं कैंसर के इलाज में भी असरदार है ग्रीन टी

ग्रीन टी वजन घटाने में मददगार है। टाइप-2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों से बचाव में भी इसे खासा कारगर पाया गया है। अब ब्रिटेन स्थित सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी के हालिया अध्ययन में यह कैंसर के इलाज में भी असरदार मिली है। शोधकर्ताओं के मुताबिक ग्रीन टी कैंसर कोशिकाओं के 'माइटोकॉन्ड्रिया' (सूत्रकणिका) पर हमला करती है। 'माइटोकॉन्ड्रिया' किसी भी कोशिका का ऊर्जा केंद्र कहलाता है। इसके नष्ट होने से कैंसर कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा नहीं मिल पाती और वे धीरे-धीरे दम तोड़ने लगती हैं।

मुख्य शोधकर्ता प्रोफेसर माइकल लिसांती की मानें तो ग्रीन टी 'राइबोजोम' को भी कमजोर बनाती है। आरएनए और उससे जुड़े प्रोटीन से लैस 'राइबोजोम' कोशिकाओं को जिंदा रखने के लिए बेहद जरूरी है। यह उन प्रोटीन का उत्पादन करता है, जिनके दम पर कोशिकाएं फलती-फूलती हैं।

लिसांती को उम्मीद है कि ग्रीन टी भविष्य में कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 'रेपामाइसिन' की जगह ले सकती है। यह दवा माइटोकॉन्ड्रिया को निष्क्रिय कर कैंसर कोशिकाओं को जिंदा रहने और अपनी संख्या बढ़ाने से रोकती है। अध्ययन के नतीजे 'जर्नल एजिंग' के हालिया अंक में प्रकाशित किए गए हैं।

सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का दवा, इलाज में कुछ दवाओं जितनी कारगर

-कैंसरग्रस्त कोशिकाओं के ऊर्जा केंद्र यानी 'माइटोकॉन्ड्रिया' को निष्क्रिय कर देती है

-विकास में मददगार प्रोटीन पैदा करने वाले 'राइबोजोम' को भी कमजोर बनाती है

अध्ययन में जापान में बेहद लोकप्रिय 'माचा ग्रीन टी' को कैंसर के इलाज में ज्यादा प्रभावी करार दिया गया है

-चाय की ताजा हरी पत्तियों से होती है तैयार, पाउडर के रूप में मिलती है, मोटापे से निजात दिलाने में कारगर

चाय के पौधों को धूप से दूर रखा जाता है, ताकि 'एल-थियानाइन' सहित अन्य पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाए।

ठंड में गले की खराश से मुक्ति दिलाएंगे ये पांच आयुर्वेदिक उपाय, खांसी-जुकाम से भी मिलेगी राहत

सर्दियों में गले की खराश होना आम बात है लेकिन लम्बे समय तक ऐसी स्थिति रहने पर गले में चोट भी आ सकती है क्योंकि खराश होने से आपको खांसने या बोलते हुए जोर लगाना पड़ता है जिससे गले में रुखापन आ जाता है। ऐसे में बहुत जरूरी है घरेलू उपायों से गले को ठीक किया जाए-

गले की खराश और खराब गले को ठीक करने का काम करती है तुलसी। तुलसी को आयुर्वेद में बहुत ही गुणकारी बताया गया है। तुलसी के काढ़े को पीने से गले की खराश को दूर किया जा सकता है। काढ़ा बनाने के लिए एक कप पानी में 4 से 5 काली मिर्च और तुलसी की 5-6 पत्तियों को उबालना है। और फिर इस पानी को छानकर सेवन करना है। इससे गले की खराश को कम करने में मदद मिल सकती है। हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व पाए जाते हैं। हल्दी इंन्फलिमेशन कम करने से लेकर सूजन और गले की खराश को भी कम करने में मददगार मानी जाती है।

मुलेठी को आयुर्वेद में बहुत गुणकारी माना जाता है। गले की समस्याओं को ठीक करने के लिए मुलेठी को सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। खराब गले को ठीक करने के लिए 1 चम्मच मुलेठी पाउडर शहद के साथ रोजाना लेने के बाद थोड़ी देर बाद गुनगुने पानी से गरारे करने से खराब गले से राहत पाई जा सकती है।

मेथी आपके खराब गले को ठीक करने में मदद कर सकती है। 1 चम्मच मेथी दानों को 1 कप पानी में उबालकर छान लें। और फिर इस पानी का सेवन करें। इससे गले की खराश और गले के दर्द से राहत पाई जा सकती है।

आप अपनी चाय में एक चम्मच शहद को डालकर पी सकते हैं, शहद आपको वायरल इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकता है।

आयुर्वेद के अनुसार गुणों से भरपूर है सफेद तिल, जानें रोजाना कितनी मात्रा में सुरक्षित है सेवन

सर्दियों में कुछ चीजों का सेवन करना किसी जड़ी-बूटी के सेवन करने से कम नहीं है। हम आपको सर्दियों में गुड़ खाने के फायदे और इससे बनी चीजें खाने के फायदे बता चुके हैं। तिल हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार है. कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि तिल में पाया जाने वाला तेल हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है और दिल पर ज्यादा भार नहीं पड़ने देता यानी दिल की बीमारी दूर करने में भी तिल मददगार है- तिल में सेसमीन नाम का एन्टीऑक्सिडेंट पाया जाता है जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है। अपनी इस खूबी की वजह से ही यह लंग कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका को कम करता है। इसके अलावा भी तिल के कई फायदे हैं। तिल को ज्यादा नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह गर्म होते हैं इसलिए आपको तिल का सेवन करने में सावधानी रखनी चाहिए। आपको रोजाना 50-70 ग्राम तक तिल का सेवन नहीं करना चाहिए। खासतौर पर महिलाओं और छोटे बच्चों को इससे भी कम मात्रा में तिल का सेवन करना चाहिए।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : कॅरियर के लिए यह सप्ताह अच्छा बीतने वाला है। सही दिशा में मेहनत करने से कार्यक्षेत्र में पूर्ण सफलता मिलने के योग हैं। आपके आर्थिक मसले इस सप्ताह पूरी तरह हल हो जाएंगे। यदि पैसा आने में कहीं रूकावट आ रही थी तो वह भी दूर हो जाएगी। धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे।

वृषभ : व्यवसाय के लिए सप्ताह अच्छा बीतेगा। जो लोग नया कार्य प्रारंभ करने का विचार कर रहे हैं, उनके लिए सलाह है किजल्द से जल्द शुरू कर लें। इस सप्ताह आपके अच्छे व्यवहार के चलते आप पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में लोकप्रिय होंगे। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। पुराना निवेश लाभ देगा।

मिथुन : इस सप्ताह नौकरीपेशा लोग अपने कार्यक्षेत्र में किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल होंगे, लेकिन इसके लिए आपको अपनी टीम को साथ लेकर चलना होगा। पारिवारिक स्थिति में इस सप्ताह खुशनुमा माहौल रहेगा। आर्थिक स्थिति में बनी हुई कमजोरी कुछ हद तक दूर हो जाएगी। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है।

कर्क : आर्थिक स्थिति में सुधार आने वाला है। कारोबारी लोग अपने काम को विस्तार देंगे। बिजनेस को बढ़ाने के लिए काफी समय से यदि आप मेहनत कर रहे हैं तो इस सप्ताह उस मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल जाएगा। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ के योग बन रहे हैं।

सिंह : नौकरीपेशा लोग इस सप्ताह कार्यस्थल पर किसी आरोप-प्रत्यारोप का शिकार हो सकते हैं। इससे आपके कॅरियर पर बुरा असर पड़ सकता है। मानसिक परेशानियां आएंगी, लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करना होगा। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिलना होगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या : व्यापारियों को बिजनेस में अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य के सिलसिले में यात्राएं करना पड़ सकती हैं। साझेदारी में कोई काम शुरू करेंगे तो आपको लाभ की स्थिति बनेगी। इस सप्ताह अविवाहित लोगों के विवाह की बात बन सकती है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अच्छा है।

तुला : कॅरियर में उतार-चढ़ाव के बावजूद यह सप्ताह अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उतना लाभ मिलेगा। इस सप्ताह उच्चाधिकारियों के साथ आपकी काफी अच्छी बनने वाली है। किसी महत्वपूर्ण कार्य और निर्णय में परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : यह सप्ताह मिला-जुला रहेगा। कुछ कार्य अच्छे होंगे तो कुछ अटक भी सकते हैं। बिजनेस में नए प्रयोग करने से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। अपने मित्रों के साथ संबंधों में खटास आ सकती है। परिवार में भाई-बंधुओं के साथ संबंध बिगड़ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा किआप विवादित स्थितियों से खुद को दूर रखने का प्रयास करें।

धनु : इस सप्ताह कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए वक्त बेहतर है। लेखन, साहित्य, आर्ट-कल्चर से जुड़े लोगों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट, अनुबंध मिल सकता है। इस सप्ताह परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा। धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं।

मकर : फिल्म, मॉडलिंग, फैशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है। इस सप्ताह आपके मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक प्रगति की राह पर आगे बढ़ेंगे। नई भूमि, भवन, वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें।

कुंभ : कार्यक्षेत्र में अधीनस्थों के साथ मिलकर आगे बढ़ना है। इस सप्ताह आपको व्यवहार संतुलित रखना है। सभी के साथ समान भाव से व्यवहार करेंगे तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। इस सप्ताह आपके प्रभाव क्षेत्र में भी वृद्धि होने वाली है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अनुकूल है। प्रॉपटी में निवेश लाभ का सौदा साबित होगा।

मीन : कॅरियर के लिए समय अच्छा चल रहा है। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य को सराहना मिलेगी। उच्चाधिकारियों से संबंध मधुर बनेंगे। अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। कारोबारी लोग कार्य विस्तार करेंगे। प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन के लिए वक्त अच्छा है। रिश्तों में आई पुरानी खटास दूर होगी।

पत्नी कैसी होनी चाहिये ?
इस विषय पर मास्टर जी ने दो घंटे का लेक्चर दिया
सोनू ने पूरा लेक्चर मोबाइल में रिकॉर्ड करके उनकी पत्नी को भेज दिया
अब कल शायद सोनू के स्कूल की छुट्टी रहेगी

गोलू- यार ये साली और घरवाली में क्या अंतर होता हैं
पप्पू- देख साली ब्यटी है और घरवाली ड्यटी
गोलू- और कोई अंतर बता
पप्पू- साली फ्रेश केक होती है और घरवाली अर्थक्वेक

एक शराबी ने वकील से पूछा कि...
मैं शासकीय ठेके से दारू लाकर पीयू और अगर पत्नी मुझे रोके तो क्या उसे शासकीय कार्य में बाधा डालने के लिए सजा हो सकती है?
वकील ने उसे गले लगाकर कहा:
ऐसे आईडीया तुम्हारे पास आते कहां से हे..

टीकाकरण के पहले दिन ही कांग्रेस ने खड़े किए सवाल, कहा- जब वैक्सीन इतनी ही सुरक्षित तो सरकार में किसी ने क्यों नहीं लगवाई

नई दिल्ली, आखिरकार देश में शनिवार को वह घड़ी आ ही गई, जिसका करोड़ों लोगों को सालभर से बेसब्री से इंतजार था। भारत में कोरोना के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू हो गया। हालांकि, टीकाकरण के शुरू होने के महज कुछ ही घंटों में कांग्रेस ने अभियान पर सवाल खड़े कर दिए। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि कई जाने-माने डॉक्टरों ने कोवैक्सीन के प्रभावी होने पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं, पूरी दुनिया में कई नेताओं ने आगे आकर खुद टीका लगवाया है, लेकिन भारत में सरकार से जुड़े किसी नेता ने ऐसा नहीं किया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने वैक्सीन्स के इस्तेमाल की मंजूरी की प्रकिया पर सवाल खड़े करते हुए दावा किया कि टीकों की इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी देने के लिए कोई नीतिगत ढांचा नहीं है। मनीष तिवारी ने कहा, "कई प्रख्यात डॉक्टरों ने सरकार के सामने कोवैक्सीन के प्रभावी और सुरक्षा के संबंध में सवाल खड़े किए हैं और कहा है कि वे नहीं चुन सकेंगे कि उन्हें कौन सी वैक्सीन लेनी है। यह सहमति के पूरे सिद्धांत के खिलाफ जाता है।" उन्होंने आगे कहा कि अगर वैक्सीन इतनी सुरक्षित और विश्वसनीय है और इसकी एफिकेसी सवाल से परे है तो फिर यह कैसे हो सकता है कि सरकार से जुड़ा कोई भी खुद के टीकाकरण के लिए आगे नहीं आया, जबकि दुनिया के अन्य

देशों में ऐसा ही हुआ है।" बता दें कि देश में सबसे पहले हेल्थकेयर वर्कर्स को टीका लगाया जा रहा है। आज तीन लाख स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लग जाएगा। वहीं, आम जनता को टीका लगने से पहले बुजुर्गों को लगाया जाएगा। इसी तरह, टीकाकरण में नेताओं को किसी भी तरह की प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। पीएम मोदी ने भी पिछले दिनों सभी सांसदों और विधायकों को प्राथमिकता से कोरोना का टीका दिलाने की मांग को साफ न कह दिया था। उन्होंने कहा था कि इससे जनता में गलत संदेश जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने कोवैक्सीन की मंजूरी भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कोवैक्सीन की अलग ही कहानी है। उसे उचित प्रक्रिया के बिना मंजूरी दी गई है। टीकाकरण शुरू होने पर तिवारी ने ट्वीट करते हुए कहा कि वैक्सीनेशन शुरू हो गया है और यह अजोबो-गरीब है कि भारत के पास आपात उपयोग को अधिकृत करने का कोई नीतिगत ढांचा नहीं है। फिर भी दो टीकों के इमरजेंसी स्थिति में इस्तेमाल की अनुमति दी गई।

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कोवैक्सीन पर कुछ समय पहले भी सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सीन के तीसरे चरण का परीक्षण अभी बाकी है। ऐसे में इसके इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी चिंता बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय कोई गिनी पिग नहीं हैं। उन्होंने कहा था कि जब कोवैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रायल अभी पूरा नहीं हुआ है, तो यह इसकी प्रभावकारिता पर सवाल तो उठता ही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कोरोना के खिलाफ विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत की और कहा कि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के मेड इन इंडिया टीकों की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होने के बाद ही इसके उपयोग की अनुमति दी गई है। अभियान की शुरुआत से पहले राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि टीके की दो खुराक लेनी बहुत जरूरी है और इन दोनों के बीच लगभग एक महीने का अंतर होना चाहिए। बता दें कि पहले चरण के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इसके लिए कुल 3006 टीकाकरण केंद्र बनाए गए हैं। पहले दिन तीन लाख से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों को कोविड-19 के टीके की खुराक दी जाएगी।

राजनाथ सिंह से मिले नेपाली विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री बोले भारत-नेपाल संबंधों में असीम संभावनाएं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली के साथ शनिवार को हुई बैठक के बाद कहा कि भारत-नेपाल संबंधों में असीम संभावनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि ज्ञवाली, नेपाल के विदेश सचिव भरत राज पौडयाल के साथ बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आए हैं। ज्ञवाली ने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की थी। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, ‘‘नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीम कुमार ज्ञवाली के साथ आज बैठक शानदार रही। नेपाल के साथ भारत के संबंध दोनों देशों की सरकारों तक सीमित नहीं हैं बल्कि यह दोनों देशों के लोगों द्वारा संचालित हैं। भारत और नेपाल के संबंध असीमित संभावनाओं वाले हैं।’’

उल्लेखनीय है कि नेपाल द्वारा पिछले साल नया राजनीतिक मानचित्र जारी करने एवं उसमें लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल का हिस्सा दिखाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए थे।

ज्ञवाली और जयशंकर के बीच बृहस्पतिवार को हुई बातचीत में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई और संपर्क, व्यापार एवं ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

कोरोना टीका: स्पूतनिक वी के तीसरे चरण के भारत में मिली परीक्षण की मंजूरी, 91.4% प्रभावी है रुसी वैक्सीन

नई दिल्ली, डॉ रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड को कोविड-19 के रूस में बने टीके स्पूतनिक वी का भारत में तीसरे चरण का परीक्षण करने के लिए ड्रग्स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया (डीजीसीआई) की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस सप्ताह की शुरुआत में डेटा और सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) ने वैक्सीन के दूसरे चरण के क्लिनकिल परीक्षण के नतीजों की समीक्षा करने के बाद तीसरे चरण का परीक्षण करने की सिफारिश की थी। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज के सह-अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी वी प्रसाद ने अपने बयान में कहा, यह वैक्सीन के इस महत्वपूर्ण नैदानिक परीक्षण की प्रगति में एक नया मील का पत्थर पार किया है। उम्मीद है कि हम इस महीने के भीतर तीसरे चरण का परीक्षण शुरू करेंगे और भारतीय आबादी के लिए एक सुरक्षित व प्रभावकारी टीका लाने किए जा रहे अपने प्रयासों को जारी रखेंगे। रूस के स्पुतनिक वी वैक्सीन नैदानिक परीक्षणों से डेटा के अंतिम विश्लेषण के आधार पर 91.4% प्रभावी पाई गई है। वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, वेनेजुएला और बेलारूस में वैक्सीन के नैदानिक परीक्षण चल रहे हैं, जबकि अल्जीरिया, अर्जेंटीना, बेलारूस, बोलीविया और सर्बिया में स्पुतनिक वी टीकाकरण के लिए लोगों का पंजीकरण किया जा चुका है। स्पुतनिक वी-वैक्सीन डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड द्वारा रूस में तैयार की गई है। वैक्सीन ट्रायल के लिए फरीदाबाद में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज को चुना गया है। यहां तकनीकी स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टर काफी संख्या में है। हालांकि, यह वैक्सीन स्वस्थ लोगों को लगाई जाएगी या कोरोना संक्रमित मरीजों को, कॉलेज प्रबंधन की ओर से यह अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। आपको बता दें कि भारत में दो-दो वैक्सीन के साथ आज टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो चुकी है। कई अन्य वैक्सीन के परीक्षण का काम जारी है।

COVID-19 वैक्सीनेशन : गुरुग्राम में 'कोवैक्सीन' लगवाने के बाद दो महिलाओं की तबीयत बिगड़ी

कोरोना महामारी के खात्मे लिए देशभर में आज से शुरू हुए टीकाकरण अभियान के दौरान गुरुग्राम में टीका लगवाने के बाद दो लोगों की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिली है। जानकारी के अनुसार, डीपीएसजी पालम विहार में बने टीकाकरण केंद्र में टीका लगवाने के बाद एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एक आशा कार्यकर्ता की तबीयत बिगड़ गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आनंदलता का ब्लड प्रेशर बढ़ने से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। ऑब्जर्वेशन के दौरान डॉक्टरों की टीम द्वारा दवाई देने के डेढ़ घंटे के बाद उनकी तबीयत ठीक हुई। वहीं, आशा कार्यकर्ता को बेचैनी हुई थी। दवाई देने के बाद वह भी नॉर्मल हो गई। इस केंद्र पर इन दोनों महिलाओं को 'कोवैक्सीन' लगाई गई थी। यह वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है। इस केंद्र पर जिन लोगों को भी वैक्सीन लगाई गई, उनसे सहमति पत्र भरवाया गया है। हालांकि, जहां पर कोविशील्ड वैक्सीन लगाई गई वहां पर कोई दिक्कत सामने नहीं आई है। गुरुग्राम जिले में शनिवार को छह केंद्रों ओर टीकाकरण अभियान चल रहा है।1स्वास्थ्य विभाग की ओर से पांच केंद्रों पर 'कोविशील्ड' वैक्सीन लगाई गई, वहीं चौमा स्थित डीपीएसजी स्कूल में 'कोवैक्सीन' का टीका लगाया जा रहा है।1

कोवैक्सीन की डोज लगाने से पहके स्वास्थ्यकर्मियों से सहमति पत्र भी भरवाया जा रहा है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शनिवार को देशभर में शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोविड-19 के खिलाफ भारत के टीकाकरण अभियान की शुरुआत की और इस दौरान कहा कि यह विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है ओर यह भारत के सामर्थ्य को दर्शाता है।

अतीक अहमद प्रकरण में सीबीआई ने देवरिया में डाला डेरा, करीबियों के साथ जेल अधिकारियों पर भी नजर

अतीक प्रकरण में सीबीआई ने एक बार फिर देवरिया में डेरा डाल दिया है। टीम के सदस्यों ने शुक्रवार को तत्कालीन जेल अधीक्षक समेत पांच जेलकर्मियों के विरुद्ध कोतवाली में दर्ज मुकदमे के विवेचक से पूछताछ की। जांच टीम के दो सदस्य शहर के सिंचाई विभाग के डाक बंगले में रुके हुए हैं। 25 दिसंबर 2018 को अतीक अहमद के इशारे पर लखनऊ के कारोबारी मोहित जायसवाल का

अपहरण कर जेल में लाकर पिटाई करने के मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

सीबीआई टीम के निशाने पर अतीक के करीबियों के अलावा जेल के अधिकारी भी हैं।

इस मामले में जेल अधीक्षक केपी त्रिपाठी ने कोतवाली में पूर्व जेल अधीक्षक दिलीप पाण्डेय, जेलर मुकेश कटियार, डिप्टी जेलर देवनाथ यादव, वार्डर मुन्ना पाण्डेय और राकेश पाण्डेय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की विवेचना सदर कोतवाली के दरोगा बृजेश दूबे कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सीबीआई की टीम ने सभी जेल अधिकारियों और बंदी रक्षक के वर्तमान तैनाती स्थल की जानकारी ली।

अतीक प्रकरण में निलंबित किए गए पांचों जेल अधिकारी और बंदी रक्षक बहाल हो चुके हैं। उनमें से तत्कालीन जेल अधीक्षक दिलीप पाण्डेय लखनऊ मुख्यालय में तैनात हैं, वहीं जेलर मुकेश कटियार लखनऊ मॉर्डन जेल से पिछले 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो गए। डिप्टी जेलर देवनाथ यादव बस्ती में, वार्डर मुन्ना पाण्डेय और राकेश पाण्डेय जिला कारागार देवरिया में ही तैनात हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई टीम 21 जनवरी तक जिले में रहेगी। इस बार सीबीआई अपनी गतिविधियों की भनक किसी को नहीं लगने दे रही है। इसके लिए उसने एक ट्रेवेल एजेंसी की गाड़ी किराए पर ली है।

मुख्यमंत्री गहलोत तक पहुंची शिकायत तो भी नहीं डरे एसपी मनीष अग्रवाल, बढ़ता ही गया लालच

जयपुर, राजस्थान में इन दिनों एसीबी एक्शन मोड में है। दौसा जिले के दो एसडीएम और तत्कालीन एसपी मनीष अग्रवाल के दलाल के ट्रैप होने के बाद अब एसपी पर भी गाज गिर सकती है। बताया जा रहा है कि इस पूरे रैकेट ने घूसखोरी के लिए जिले में आतंक मचा रखा था। एसपी मनीष अग्रवाल के खिलाफ तो सीएम अशोक गहलोत तक कई शिकायतें पहुंची थी लेकिन इसके बावजूद एसपी का दुस्साहस इतना रहा कि वे सीएम से भी नहीं डरे और उनका लालच बढ़ता ही गया। सीएम अशोक गहलोत तक कंपनी के प्रतिनिधि ने शिकायत पहुंचाई। इसमें कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया था कि पूरे दस्तावेज होने के बावजूद पुलिस निर्माण कार्य में जुटे वाहनों को घंटों तक रोकती है। वाहनों का चालान किया जाता है। इसके बाद भी वाहन नहीं छोड़े जाते है। वाहन रोकने पर थानों में संपर्क करने पर जवाब मिलता है कि एसपी साहब से बात कर लो। कंपनी ने शिकायत में कहा कि संभवतः एसपी के अप्रत्यक्ष निर्देश है कि इतना परेशान करो कि कंपनी दबाव में आ जाए और उनसे मुलाकात करे। हाईवे का निर्माण कर रही कंपनी ने घूसखोरी से परेशान होकर पहले आईजी और फिर पुलिस महानिदेशक से शिकायत की। इतना ही नहीं तबादलों में गड़बड़ी को लेकर तो खुद रेंज आईजी ने डीजी से शिकायत की थी। लेकिन, इसका भी एसपी मनीष अग्रवाल पर कोई असर नहीं हुआ। आखिर कंपनी ने सीएम को मनीष अग्रवाल के खिलाफ नामजद शिकायत दी। इसके बाद भी एसपी कंपनी पर लगातार दबाव बनाते हुए 38 लाख रुपए मांगते रहे। कंपनी से पिछले सात माह की बंधी के 28 लाख रुपए और बांदीकुई थाने में दर्ज एफआईआर के निस्तारण के लिए 10 लाख रुपए मांगे जा रहे थे। कंपनी ने अपने पत्र में यह भी बताया कि निर्माण कार्य के दौरान कई बार स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध किया। विवाद की स्थिति को देखते हुए कंपनी ने पुलिस से मदद मांगी तो जवाब मिला कि एसपी से मिलने पर ही जाब्ता दिया जाएगा। कंपनी ने ऐसी शिकायतें कलक्टर व अन्य उच्च स्तर पर भी की।

राजस्थान के सभी थानों में लगेंगे सीसीटीवी, जानें सीएम गहलोत ने क्यों दिया यह आदेश?

जयपुर, अब राजस्थान के सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाएं जाएंगे।इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर पूरी निगरानी रखी जाएगी। बता दें की अक्सर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहते है। ऐसे में अब थानों में आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिये सीएम अशोक गहलोत ने निर्देश दिए हैं। सीएम ने इस कार्य की मॉनिटरिंग तथा इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए राज्य एवं जिला स्तरीय निगरानी समितियां गठित करने को मंजूरी दी है। थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रथम चरण के लिए 8 करोड़ 40 लाख रूपये के अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान का अनुमोदन किया है। इस संबंध में गृह विभाग एवं वित्त विभाग के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। निर्देश दिए हैं कि सभी थानों में प्रवेश एवं निकासी द्वार सहित अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की परियोजना की कुल लागत राशि 16.80 करोड़ रूपये से अधिक है।

स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसारबबराज्य स्तरीय निगरानी समिति प्रमुख शासन सचिव गृह की अध्यक्षता में गठित होगी। प्रमुख शासन सचिव वित्त, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष तथा महानिरीक्षक पुलिस इस समिति के सदस्य तथा संयुक्त शासन सचिव, पुलिस सदस्य सचिव होंगे।

यह समिति प्रदेश के सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के कार्य का नियमित पर्यवेक्षण करेगी तथा इस संबंध में आवश्यक रूप-रेखा तैयार करेगी।वहीं, संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में निगरानी समिति का गठन होगा।

जिला स्तरीय निगरानी समितियों में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, संबंधित नगरीय निकाय प्रमुख (शहरी क्षेत्रों के लिए), जिला प्रमुख (ग्रामीण क्षेत्र के लिए) तथा पुलिस अधीक्षक या पुलिस उपायुक्त सदस्य होंगे।

पंचायत चुनाव से पहले सपा ने बसपा में मचाई तोड़फोड़, मेरठ की मेयर समेत कई सपा में शामिल

पंचायत चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने बसपा को झटका दिया है। शनिवार को करीब 400 लोगों ने सपा की सदस्यता ली है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बसपा से आए सभी सदस्यों को सदस्यता ग्रहण कराई। सपा में शामिल होने वालों में कई बड़े दिग्गज भी बताई जा रहे हैं। पश्चिमी यूपी से मेरठ की मेयर और उनके पति ने भी सपा की सदस्यता ग्रहण की। मायावती के जन्मदिन के ठीक एक बाद हुई बसपा में तोड़फोड़ से पार्टी में खलबली मची है। पंचायत चुनाव और विधान परिषद चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने बसपा में बड़ी सेंध लगाई है। पूर्व मंत्री योगेश वर्मा के साथ बरेली से बसपा के पूर्व विधायक विजय पाल और मेरठ की महापौर सुनीता वर्मा ने शनिवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय में सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। योगेश वर्मा मेरठ के बसपा से लोकसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। योगेश को पश्चिमी यूपी में दलित बिरादरी में बड़ी पैठ रखने वाला माना जाता है। साथ ही पूर्व मंत्री अवेधश वर्मा तथा पूर्व विधायक विजय यादव ने भी सपा में अपनी वापसी की है। शनिवार को एक साथ करीब 400 समर्थकों के साथ सुनीता वर्मा और योगेश वर्मा ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने की खबर से बसपा में खलबली मच गई। इनमें मेरठ के सात पार्षद भी शामिल हैं। गोरखपुर के आर एसएस के प्रचारक रहे विनीत शुक्ला भी अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुए हैं। बसपा को छोड़कर सपा में शामिल होने वाले सभी सदस्यों का सपा मुखिया अखिलेश यादव ने स्वागत किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा में लगातार बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

बदायूं कांड : दो दिन में आ सकती है फॉरेंसिक रिपोर्ट, सामने आएगा पूरा सच

बदायूं के उघैती कांड के अधिकांश रहस्यों से पर्दा उठ चुका है लेकिन कई रहस्य ऐसे भी हैं, जिन पर पर्देदारी बरकरार है। उन रहस्यों को पुलिस अपने दम पर उजागर भी नहीं कर सकती, क्योंकि इसके लिए फोरेंसिक टीमों की दरकार थी। उन रहस्यों को खंगालते हुए सच सामने लाने के लिए शासनस्तर से चुनिंदा वैज्ञानिकों की टीम यहां भेजी गई थी। वहीं उम्मीद है कि अगले दो दिन में यह रिपोर्ट पुलिस अधिकारियों को मिल जाएगी और इसी आधार पर तफ्तीश को आगे बढ़ाया जाएगा। जिले के उघैती कांड में जहां मुख्य आरोपी महंत समेत उसके चेले व चालक के बयानों ने कई परतें खोली हैं। वहीं पीड़िता के मोबाइल से भी पुलिस ने कई रहस्य उजागर कर लिए हैं। मंदिर में घटनाक्रम से कुछ देर पहले मौजूद लोगों समेत इलाकाई लोगों का बयान भी लिया जा चुका है। ऐसे में अब तक का पुलिस का काम तकरीबन पूरा हो चुका है और शासन को हर बिंदु पर रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है लेकिन इस सबके के बाद तफ्तीश को किस तरह आगे बढ़ाया जाए, इसके लिए फोरेंसिक टीम की रिपोर्ट का इंतजार है, क्योंकि टीम ने पूरे घटनाक्रम का यहां आकर कई घंटे डेमो करने के साथ ही कई तथ्यों पर काम किया था। चूंकि पूरे मामले में शासनस्तर से मानिटरिंग हो रही है। ऐसे में ये रिपोर्ट भी आने वाले दो दिन में यहां पहुंचने की उम्मीद है। इन रिपोर्ट्स के अध्ययन के बाद ही पुलिस के सामने पूरी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। अभी तक घटनास्थल का रूप ले चुका वह मंदिर पुलिस और फोरेंसिक टीमों की निगरानी में है। वहां किसी का भी आना-जाना निषेध है। हालांकि टीमें अपना काम करके यहां से जा चुकी हैं लेकिन कब किस तथ्य पर दोबारा पड़ताल करना पड़ जाए, ऐसे में अभी घटनास्थल को सील रखा गया है।

SPORTS खेल जगत

नाथन लायन के खिलाफ खराब शॉट पर हो रही आलोचना पर रोहित शर्मा ने दिया रिएक्शन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में दूसरा दिन दोनों टीमों के लिए मिलाजुला रहा। जहां पहले दो सत्र में भारत का दबदबा रहा तो वहीं रोहित का विकेट झटकने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी मैच में वापसी हो गई है। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिए थे। रोहित शर्मा अच्छे फार्म में दिख थे लेकिन नाथन लायन की गेंद पर वह एक बड़ा शाट खेलने के चक्कर स्टार्क को आसान सा कैच थमा बैठे, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हो रही है। रोहित ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें उस शाट पर कोई अफसोस नहीं है।

दिन का खेल समाप्त होने के ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में रोहित शर्मा ने कहा, 'मैं जहां पहुंचना चाहता था वहां पहुंचा, बस मैं गेंद को सही से कनेक्ट नहीं कर पाया। मैं लॉन्गऑन और स्क्वायर लेग के बीच में खेलना चाहता था लेकिन कामयाब नहीं हुआ। मैंने जिस तरह का शाट खेला, वैसा मैं खेलना पसंद करता हूं। यह बल्लेबाजी करने के लिए यह एक अच्छी पिच है। हां यह भी सही है कि इस पिच में काफी उछाल है लेकिन वह मुझे पसंद है।'

उन्होंने कहा, 'एक बार जब मैं शुरुआत के कुछ ओवर खेल लिया उसके बाद मुझे समझ आ गया था कि पिच पर बहुत ज्यादा स्विंग नहीं है। मैं दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट जरूर हुआ लेकिन मुझे अफसोस नहीं है। टीम मेरा रोल है कि गेंदबाजों पर अटैक करना है।'

रोहित शर्मा ने कहा, 'रन बनाना दोनों टीमों के लिए आसान नहीं है। ऐसे में यह सोचना होगा कि कैसे गेंदबाज पर दबाव बनाया जाए।

यह करने की कोशिश में आप गलती करेंगे ऐसी भी संभावना है, लेकिन उसको स्वीकार करने के लिए आपको तैयार रहना होगा। लायन के समझदार गेंदबाज है उन्होंने अच्छी गेंद की जिसके कारण मैं बड़ा शाट नहीं खेल पाया।' रोहित शर्मा 44 रन बनाने के बाद आउट हुए। इस समय चेतेश्वर पुजारा और कप्तान अजिंक्य रहाणे क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 369 रन ही बना पाई।

मोहम्मद आमिर विवाद पर बोले शाहिद अफरीदी, राहुल द्रविड़ से पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों को सीखने की जरूरत

पाकिस्तान क्रिकेट टीम में इस समय सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के बाद जहां 6 खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया, वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के अचानक संन्यास लेने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और उसे जुड़े लोग सवालों के घेरे में आ गए हैं। मोहम्मद आमिर संन्यास लेते वक्त कई गंभीर आरोप लगाए थे। इस पूरे प्रकरण पर अब शाहिद अफरीदी ने भी बयान दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों को राहुल द्रविड़ से सीखने की सलाह दी है।

एक कार्यक्रम बोलते हुए शाहिद अफरीदी ने कहा, 'यह अच्छी परंपरा नहीं है। बोर्ड को अपने खिलाड़ियों के साथ एक अभिभावक जैसा रिश्ता रखना चाहिए। मोहम्मद आमिर या कोई अन्य खिलाड़ी हो पीसीबी को उससे बात करनी चाहिए, अगर वह ड्राप किया जा रहा है तो उसे कारण पता होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह अच्छा होगा कि चेयरमैन या चीफ सिलेक्टर खिलाड़ियों से बात करें। मोहम्मद आमिर ने बिना किसी बात का मुद्दा बना दिया।'

राहुल द्रविड़ की तारीफ करते हुए शाहिद अफरीदी ने कहा, 'मुझे लगता है कि पूर्व क्रिकेटरों की निगाह सिर्फ इस पर नहीं होनी चाहिए कि वह कैसे पाकिस्तानी टीम के कोच बनें।

कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी जैसे मोहम्मद यूसुफ, यूनुस खान और इजमाम-उल-हक जूनियर लेवल पर शानदार काम कर सकते हैं जैसा द्रविड़ भारत के लिए कर रहे हैं।' 43 वर्षीय द्रविड़ NCA के हेड हैं, साथ ही अंडर-19 टीम के कोच भी है।

टीम इंडिया के गेंदबाजों से नाखुश नजर आए सुनील गावस्कर, कहा- साल 1932 से रही है भारतीय गेंदबाजी की यह सबसे बड़ी कमी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का चौथा टेस्ट मैच ब्रिसबेन के गाबा मैदान में खेला जा रहा है। टेस्ट का पहला दिन दोनों ही टीमों के लिए मिलाजुला रहा। भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को डेविड वॉर्नर (1) और मार्कस हैरिस (5) के रूप में शुरुआती झटके दिए, लेकिन मार्नस लाबुशेन की शतकीय पारी और दिन के आखिरी में कप्तान टिम पेन और कैमरन ग्रीन के बीच हुई नाबाद साझेदारी के दम पर कंगारू टीम मैच में वापसी करने में कामयाब रही। इसी बीच, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर गेंदबाजों के आखिरी सेशन में की गेंदबाजी से नाखुश नजर आए और उन्होंने साल 1932 से चली आ रही भारतीय गेंदबाजी की सबसे बड़ी कमी के बारे में बताया। सोनी स्पोर्ट्स नेटर्वक के साथ बातचीत करते हुए सुनील गावस्कर ने कहा, 'टीम इंडिया के गेंदबाज शुरुआती विकेट हासिल कर लेते हैं, लेकिन वह आखिरी की पांच विकेट लेने के लिए काफी संघर्ष करते हैं। भारत की टीम चाय के समय तक मैच को कंट्रोल कर रही थी। अगर वह एक-दो विकेट और चटका लेते तो आप कह सकते थे कि यह दिन भारत के नाम रहा। भारत के पास बहुत अच्छा मौका था ऑस्ट्रेलिया को सस्ते में आउट करने का, अगर वह एक विकेट और हासिल कर पाते तो, लेकिन इस नाबाद पार्टनरशिप ने पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम कर दिया।' टी नटराजन द्वारा मैथ्यू वेड और लाबुशेन को आउट करने के बाद भारत ने एक समय ऑस्ट्रेलिया के 5 विकेट 213 रनों पर गिरा दिए थे, लेकिन इसके बाद टीम टिम पेन और कैमरन ग्रीन की साझेदारी को नहीं तोड़ सकी और कंगारू टीम दिन के अंत में 274 तक पहंचने में सफल रही। सुनील गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिरी के विकेट ना ले पाना यह टीम के गेंदबाजों की साल 1932 से सबसे बड़ी कमी रही है। उन्होंने कहा, ऐसा साल 1932 से हो रहा है, जब इंडिया ने अपना खेल मैच खेला था इंग्लैंड में, उन्होंने इंग्लैंड के पहले पांच बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर लिया था और आखिरी के पांच बल्लेबाजों ने काफी रन बनाए थे। तो यह भारतीय क्रिकेट की स्टोरी रही है।' हालांकि, पूर्व कप्तान ने अपने अहम गेंदबाजों के बिना खेल रही भारतीय टीम की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि इंडियन अटैक ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया। अगर आप शार्दुल ठाकुर को देखेंगे तो उन्होंने अपने पहले टेस्ट में मुश्किल से ही दर्जन भर गेंद फेंकी रही होगी, नवदीप सैनी ने सिर्फ एक मैच खेला है और इसी तरह मोहम्मद सिराज, टी नटराजन और वॉशिंगटन सुंदर अपना पहला मैच खेल रहे हैं, तो इन सभी द्वारा ली गई पहली पांच विकेट आपको बताती है कि वह अपने टास्क को लेकर कितना समर्पित हैं।'

देश परदेश

चर्चा में चेहरा- भारत में जन्मीं गरिमा वर्मा होंगी अमेरिका की फर्स्ट लेडी की डिजिटल निदेशक

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी जिल बाइडन ने भारतीय मूल की गरिमा वर्मा को अपने कार्यालय में डिजिटल निदेशक और माइकल लारोसा को प्रेस सचिव के तौर पर नामित किया है। बाइडन की टीम ने यह जानकारी दी। बाइडन के 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद जिल बाइडन अमेरिका की प्रथम महिला होंगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भी प्रथम महिला के कार्यालय में अतिरिक्त सदस्यों की घोषणा की और ज्वाइनिंग फोर्सेस पहल के नए कार्यकारी निदेशक के तौर पर रोरी ब्रोसियस को नामित किया। टीम ने बताया कि गरिमा ओहायो और कैलिफोर्निया के सेंट्रल वैली में पली बढ़ी हैं और उनका जन्म भारत में हुआ है। गरिमा बाइडन-हैरिस के चुनाव प्रचार अभियान का भी हिस्सा थीं। इससे पूर्व वह मनोरंजन जगत का हिस्सा रह चुकी हैं। वह पारामाउंट पिक्चर्स में मार्केटिंग फिल्म्स और वाल्ट डिज्नी कंपनी के एबीसी नेटवर्क में टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए काम कर चुकी हैं। उन्होंने मीडिया एजेंसी होरिजन मीडिया के साथ भी काम किया है। वर्मा कई छोटे-मोटे कारोबार और गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए मार्केटिंग, डिजाइन और डिजिटल में स्वतंत्र कंसल्टेंट के तौर पर सेवा दे चुकी हैं। टीम ने बताया कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार से जुड़े और अब बाइडन-हैरिस टीम का हिस्सा बने लारोसा जिल बाइडन के प्रेस सचिव और मुख्य प्रवक्ता थे। लारोसा नैंसी पेलोसी के कार्यालय में हाउस डेमोक्रेटिक पॉलिसी कम्युनिकेशंस कमेटी के लिए संचार निदेशक थे। जिन अन्य लोगों को नामित किया गया है उनमें गिना ली, वनेसा लायन और जॉर्डन मोंटोया के नाम शामिल हैं। जिल बाइडन ने कहा, "अपनी विवधतापूर्ण पृष्ठभूमि के साथ ये समर्पित और कुशल लोक सेवक एक ऐसे प्रशासन के निर्माण में प्रतिबद्ध होंगे, जो अमेरिका के लोगों के विकास में सहयोग करेगा।" बाइडन की टीम ने कहा कि ये कुशल एवं अनुभवी लोग डॉ. जिल बाइडन के साथ काम करेंगे और उनके कार्यालय के कामकाज में अहम भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर, भारत के साउथ एशियन सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा की निवेन्थी करुणारत्ने को इनॉग्यरैशन फेनफेयर फॉर जो एंड कमला ऑनलाइन कॉन्सर्ट में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया है। एक बयान के अनुसार इनॉगरेशन फेनफेयर फॉर जो एंड कमला का 19 जनवरी को अमेरिकी समयानुसार दोपहर 12 बजे सोशल मीडिया पर प्रसारण किया जाएगा।

चीन के लिए गुप्त तरीके से काम करने वाला MIT प्रोफेसर FBI के हत्थे चढ़ा

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर पर बृहस्पतिवार को चीन सरकार के लिए किए गए काम को गुप्त रखने के आरोप लगाए गए। उन पर आरोप है कि वह इस दौरान अपने नैनो टेक्नोलॉजी शोध के लिए अमेरिकी से भी पैसे लेते रहे। अधिकारियों ने बताया कि गैंग चेन (56) को संघीय एजेंटों ने कैम्ब्रिज स्थित उनके घर से धोखाधड़ी सहित कई आरोपों में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि एमआईटी के लिए काम करने के दौरान चेन ने चीनी संस्थाओं के साथ अज्ञात अनुबंध किए और कई बैठकें कीं, जिसमें न्यूयॉर्क स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास कार्यालय के अनुरोध पर चीनी सरकार के लिए "विदेशी विशेषज्ञ" के रूप में कार्य करना भी शामिल है। अधिकारियों ने अदालत को सौंपे दस्तावेजों में कहा कि उन्होंने चीन के लिए कई भूमिकाओं में कार्य किया है, जिसका मकसद चीन के वैज्ञानिक और तकनीकी लक्ष्यों को आगे बढ़ाना था। अधिकारियों ने कहा कि चेन ने चीन से अपने संबंध का खुलासा नहीं किया है, जैसा कि संघीय अनुदान आवेदनों के लिए हर तरह की जानकारियां देना आवश्यक होता है।

जो बाइडेन के शपथ ग्रहण से पहले उत्तर कोरिया ने दिखाई सैन्य ताकत, बेहद घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से उठाया पर्दा

उत्तर कोरिया ने पनडुब्बियों और अन्य सैन्य उपकरणों से वार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को एक परेड में उतारा। यह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के परमाणु हथियार कार्यक्रम का विस्तार करने के आह्वान के अनुरूप है। यह ऐसे समय में हुआ है, जबकि कुछ ही दिनों बाद अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन शपथ ग्रहण करने वाले हैं। सरकारी मीडिया ने बताया कि इस परेड का आयोजन गुरुवार रात प्रमुख सत्तारूढ़ पार्टी की बैठक के बाद किया गया। इस बैठक में किम ने अपने परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रम को बढ़ाने का संकल्प लिया था। वर्कर्स पार्टी कांग्रेस की आठ दिवसीय बैठक मंगलवार को सम्पन्न हुई।

इसमें किम ने अपने परमाणु शस्त्रागार को बढ़ाने और अधिक उन्नत परमाणु हथियार प्रणालियों को विकसित करने की चेतावनी भी दी और कहा कि अमेरिका के साथ संबंध इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियां त्यागता है या नहीं। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की ओर से जारी की गई तस्वीर में किम काले रंग की फर वाली टोपी और चमड़े का कोट पहने, मुस्कुराते हुए नजर आए। एजेंसी ने बताया कि परेड में देश के सबसे उन्नत रणनीतिक हथियार पेश किए गए, जिसमें पनडुब्बी से वार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल थी। एजेंसी ने बताया कि परेड में दुश्मन को पूरी तरह नष्ट कर सकने वाली अन्य मिसाइलें भी पेश की गई।

-ह्वासोंग 15 नाम की बैलिस्टिक मिसाइल करीब 13 हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम है। यह दावा उत्तर कोरिया कर रहा है।

- उत्तर कोरिया के पास परमाणु बम और बलिस्टिक मिसाइल हैं, जिससे वह अमेरिका के सहयोगी अपने पड़ोसी देशों पर हमला कर सकता है।

- उत्तर कोरिया के पास लंबी रेंज के इंटरमीडिएट मिसाइल होंगे जो अमेरिका की जमीन पर परमाणु हमला करने में सक्षम होंगे।

तानाशाह किम जोंग-उन का दावा है कि उनके पास परमाणु बम से कई गुना ज्यादा खतरनाक हाइड्रोजन बम है। हालांकि उनका यह दावा अभी संदेहपूर्ण है।

उनके पास बड़ा परमाणु बम हो सकता है, लेकिन वह हाइड्रोजन जितना खतरनाक नहीं है।

उत्तर कोरिया के पास काफी मात्रा में तोपे हैं और वह केमिकल हथियारों पर भी काम कर रहा है। उसके पड़ोसी दक्षिण कोरिया का दावा है कि उत्तर कोरिया के पास 2500 से 5000 मेट्रिक टन केमिकल हथियार हैं।

विरोध के बाद झुका व्हॉट्सऐप, नई शर्तों और नीति को स्वीकार करने के लिए तय 8 फरवरी की डेडलाइन टाली

आलोचना और विरोध का सामना करने के बाद इंस्टेंट मेसेजिंग ऐप्लीकेशन व्हाट्सऐप ने अपनी नई डेटा-शेयरिंग पॉलिसी को फिलहाल टाल दिया है। दरअसल नई पॉलिसी में फेसबुक और इंस्टाग्राम का इंटीग्रेशन ज्यादा था जिसकी वजह से यूजर्स का व्हाट्सऐप डेटा फेसबुक से भी शेयर किया जाता। व्हाट्सऐप पर फेसबुक का पूरा स्वामित्व है। व्हाट्सऐप की इस निजता नीति से परेशान होकर यूजर्स उसकी प्रतिद्वंद्वी ऐप्ल टेलीग्राम और सिग्नल पर शिफ्ट हो रहे थे। नई शर्तों और नीति को स्वीकार करने के लिए तय 8 फरवरी की अंतिम तारीख को व्हॉट्सएप ने फिलहाल टाल दिया है। व्हाट्सऐप ने कहा है कि वह प्राइवेसी और सुरक्षा को लेकर यूजर्स के बीच फैली भ्रामक जानकारियों को दूर करेगा। एक ब्लॉगपोस्ट में व्हाट्सऐप की ओर से लिखा गया है, 'हमें बहुत से लोगों से सुनने को मिला है कि हमारे हालिया अपडेट को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। इस अपडेट के जरिए हम फेसबुक के साथ पहले से ज्यादा डेटा शेयर नहीं करेंगे।' इससे पहले भी एक ब्लॉग के जरिए व्हाट्सऐप ने सफाई दी थी कि न तो हम किसी के मेसेज या कॉल देख सकते हैं और न ही फेसबुक। बता दें कि व्हॉट्सएप ने 4 जनवरी को 'इन-एप' अधिसूचना के जरिए नई निजता नीति को घोषित करते हुए अपने यूजर्स को सेवा की शर्तों और गोपनीयता की नीति के बारे में अपडेट देना शुरू किया। व्हॉट्सऐप ने इसमें बताया कि वह कैसे यूजर्स के डेटा को प्रोसेस है और उन्हें फेसबुक के साथ किस तरह से साझा करती है। अपडेट में यह भी कहा गया कि व्हॉट्सऐप की सेवाओं का उपयोग जारी रखने के लिए उपयोक्ताओं को आठ फरवरी, 2021 तक नई शर्तों व नीति से सहमत होना होगा। कारोबार जगत के कई दिग्गजों सहित बड़ी संख्या में प्रयोगकर्ताओं ने इस कदम को लेकर चिंता जताई है। भारत में व्हॉट्सएप के प्रयोगकर्ताओं की संख्या 40 करोड़ से अधिक है। भारत वैश्विक स्तर पर व्हॉट्सएप के सबसे बड़े बाजारों में से है। व्हॉट्सएप की सेवा और निजता नीति में हालिया बदलाव को लेकर बहस छिड़ी है और कई प्रयोगकर्ता व्हॉट्सएप के प्रतिद्वंद्वी मंचों- टेलीग्राम और सिग्नल पर शिफ्ट होने लगे। एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप सिग्नल और टेलीग्राम को एप्पल और गूगल के ऐप स्टोर से डाउनलोड में भारी उछाल देखने को मिला। इसके उलट, फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हॉट्सएप के डाउनलोड में गिरावट देखी जा रही है।

व्हीलचेयर पर बैठकर मुंबई एयरपोर्ट पहुंचीं प्राची देसाई, एक्ट्रेस की यह हालत देख फैन्स हुए हैरान

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्राची देसाई शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठकर मुंबई एयरपोर्ट पहुंचीं। प्राची की इस हालत को देखकर फैन्स भी हैरान हैं। दरअसल, प्राची के पैर में चोट लगी हैं। इस वजह से उन्हें व्हीलचेयर पर बैठकर एयरपोर्ट पहुंचना पड़ा। प्राची का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि प्राची व्हीलचेयर पर बैठी हैं और उनके बाएं पैर में बैंडेज लगा हुआ है। इस दौरान एक अटेंडेट उनके पीछे खड़ा नजर आया। प्राची सैनिटाइजर से अपने व्हीलचेयर के चारों ओर स्प्रे करती हैं। इसके बाद वह मास्क उतारकर पैपराजी के सामने फोटोज क्लिक करवाई। इस दौरान प्राची ब्लैक पैंट और मैचिंग टी-शर्ट में दिखीं। उन्होंने फ्लैट स्लिपर्स पहन रखे थी और गोद में अपना बैग रखा था।

प्राची को टीवी सीरियल कसम से में बानी के किरदार से जबरदस्त पॉप्युलैरिटी मिली। यह शो साल 2006 से 2009 तक चला। इस बीच साल 2008 में उन्होंने फरहान अख्तर की फिल्म रॉक ऑन से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह लाइफ पार्टनर (2009), वन्स अपॉन टाइम इन मुम्बई (2010), बोल बच्चन (2012) और साल 2013 में आई मी और मैं जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि प्राची पिछले काफी समय से बड़े पर्दे से दूर चल रही हैं।

जानें, कैसा है सैफ अली खान और करीना का कपूर का नया ड्रीम होम, बच्चे के जन्म से पहले हो रहे शिफ्ट

दूसरे बच्चे के जन्म से पहले करीना कपूर और सैफ अली खान के नए घर में शिफ्ट होने की खबर की बेबो के पिता रणधीर कपूर ने पिछले दिनों पुष्टि की थी। कहा जा रहा है कि परिवार बढ़ रहा है, ऐसे में सैफ और करीना ने नई जरूरतों के हिसाब से नए घर में शिफ्ट होने का फैसला लिया है। फिलहाल करीना कपूर और सैफ अली खान की फैमिली फॉर्च्यून हाइट्स में रहता है, लेकिन अब जल्दी ही वह शिफ्ट होने वाले हैं। यह शिफ्टिंग नए बच्चे के जन्म से पहले ही हो सकती है। दोनों जिस घर में शिफ्ट होने वाले हैं, उस बिल्डिंग का नाम सतगुरु शरण है। इस चार मंजिला घर का काम आखिरी चरण में है।

सैफ और करीना के घर की इंटीरियर डिजाइनिंग करने वालीं दर्शनी शाह ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'सैफ और करीना का नया घर भी एक तरह से पुराने के ही विस्तार जैसा है। इसकी वजह यह है कि वे फॉर्च्यून हाइट्स स्थित घर में एंजॉय कर रहे थे। उसके डिजाइन और अन्य चीजों को लेकर वह काफी कम्फर्टेबल थे। ऐसे में इस नए घर में सभी पुरानी व्यवस्थाओं के साथ ही नई जरूरतों को भी जोड़ा गया है। खासतौर पर बच्चे के जन्म के लिहाज से घर को नए तरह से तैयार किया गया है। इसके अलावा तैमूर अली के लिए भी एक रूम अलग से रहने वाला है। इस घर में बेबी के लिए नर्सरी होगी। पुराने घर के मुकाबले यह काफी बड़ा होगा। शानदार सीढ़ियों, स्विमिंग पूल, आउटडोर एरिया और ओपन स्पेस के साथ यह घर काफी शानदार रहने वाला है।' इस नए घर में सैफ और करीना शानदार फर्नीचर के साथ ही आर्टवर्क कराने वाले हैं। यह नहीं इसमें लाइब्रेरी के लिए भी अच्छा खासा स्पेस होगा। सैफ और करीना को कॉलोनियन डिजाइन काफी पसंद है। इस घर में हर किसी के लिए अलग रूम की व्यवस्था होगी। बता दें कि सैफ और करीना ने पिछले ही दिनों अपने पैतृक आवास पटौदी पैलेस का रिनोवेशन कराया था। यह काम तीन साल तक लगातार चला था और अब जाकर घर फिनिश हो पाया है। दर्शिनी बताती हैं कि भले ही पटौदी पैलेस को बने 100 साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है, लेकिन सैफ अली खान और करीना के अनुसार इसमें सभी जरूरी चीजें हैं।

गौरतलब है कि करीना कपूर ने पिछले दिनों बहन करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा के साथ एक तस्वीर शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने हैशटैग फॉर्च्यून मेमोरीज लिखा था। इससे माना जा रहा था कि वह दूसरे बच्चे की मां बनने से पहले नए घर में शिफ्ट हो सकती हैं। इसके बाद उनके पिता रणधीर कपूर ने इस खबर को लेकर कहा था कि वे जल्दी ही नए घर में जाने वाले हैं, लेकिन कब तक ऐसा होगा। इस बारे में कुछ भी कन्फर्म नहीं है।

काला हिरन शिकार केस: कोर्ट नहीं पहुंच पाए सलमान खान, अदालत से की यह गुजारिश

काले हिरन के शिकार के मामले में बॉलीवुड स्टार सलमान खान शनिवार को अदालत में पेश नहीं हो सके। जोधपुर की जिला एवं सत्र अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 6 फरवरी की तारीख तय की है। सलमान खान ने खुद ही इस मामले में अपनी ओर से अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई होनी थी। लेकिन सलमान खान अदालत नहीं पहुंचे। सलमान खान ने अपने वकील हस्तीमल सारस्वत के जरिए खुद को निजी तौर पर कोर्ट में पेश होने की छूट देने की मांग की थी। हस्तीमल सारस्वत ने कहा कि अदालत में हमने सलमान खान की ओर से प्रार्थना पत्र दिया है। इस ऐप्लकेशन में कहा गया है कि कोरोना संकट के चलते सलमान खान के लिए यात्रा करना और निजी तौर पर कोर्ट में पेश होना रिस्की हो सकता है। इसके साथ ही सलमान खान ने कहा है कि अदालत जब भी उन्हें व्यक्तिगत तौर पर पेश होने को कहेगी, वह मौजूद रहेंगे। इससे पहले मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें अदालत में पेश रहने को कहा था। दरअसल सलमान खान ने ट्रायल कोर्ट से उन्हें दी गई 5 साल कैद की सजा को सेशन कोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि 5 अप्रैल, 2018 को दिए अपने फैसले में जोधपुर की सीजेएम कोर्ट ने सलमान खान को लुप्त प्रजाति के दो काले हिरणों के शिकार के मामले में 5 साल कैद की सजा सुनाई थी। सलमान खान को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन ऐक्ट के तहत दोषी करार देते हुए अदालत ने उन पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इसके बाद सलमान खान की अपील पर जोधपुर जिले की जिला एवं सत्र अदालत ने उस फैसले पर 7 अप्रैल, 2018 को रोक लगा दी थी और उन्हें सशर्त जमानत दी थी। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से आर्म्स ऐक्ट केस में सलमान खान को बरी किए जाने के खिलाफ भी याचिका दायर की गई है। इस पर भी सलमान खान ने अपने वकील के जरिए कोर्ट से व्यक्तिगत तौर पर पेश में छूट देने की अपील की है।

कौन बनेगा करोड़पति के ग्रांड फिनाले में होगा कारगिल वीरों का सम्मान, हॉट सीट पर होंगे परम वीर चक्र विजेता

कौन बनेगा करोड़पति का 12वां सीजन कारगिल हीरो सूबेदार मेजर योगेंद्र सिंह यादव और सूबेदार संजय सिंह के सम्मान के साथ समाप्त होगा। परमवीर चक्र विजेता दोनों कारगिल हीरो केबीसी ग्रांड फिनाले एपिसोड का हिस्सा होंगे और अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठेंगे। 15 जनवरी को सेना दिवस के मौके पर सोनी टीवी ने केबीसी के प्रोमो में इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही सेना की धुन वाला वीडियो भी शेयर किया गया है। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में चैनल की ओर से जानकारी दी गई है, 'हम भारतीय सेना के अदम्य साहस को सलाम करते हैं। मिलिट्री बैंड का म्यूजिक भारतीय जवानों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है। यह हम लोगों के बीच भी देशभक्ति का भाव पैदा करता है।'

चैनल की ओर से शेयर किए गए प्रोमो में सैनिक अपनी ड्रेस में स्टूडियो पर परेड करते दिख रहे हैं और बैकग्राउंड में मिलिट्री की धुन बज रही है। कौन बनेगा करोड़पति का यह सीजन 22 जनवरी को समाप्त हो रहा है। इस मौके पर कारगिल के दोनों वीर हॉट सीट पर बैठेंगे। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग लिखकर कहा था कि वह थक गए हैं और रिटायर हो रहे हैं।

केबीसी की शूटिंग का आखिरी दिन काफी लंबा था। अमिताभ बच्चन की इस ब्लॉग पोस्ट से कयास लगाया जा रहा है कि शायद अगले सीजन में वह नजर नहीं आएंगे। 78 साल के अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति की शुरुआत से ही होस्टिंग करते हैं और उनके दौर में इस शो ने नई ऊंचाईयां हासिल की हैं। कौन बनेगा करोड़पति के 12वें सीजन में अब तक 4 प्रतिभागियों ने 1 करोड़ रुपये की रकम जीतने में सफलता हासिल की है। हालांकि अब तक किसी को भी 7 करोड़ रुपये की रकम हासिल नहीं हुई है। दिलचस्प बात है कि इस बार करोड़पति बनने वालों में सभी महिलाएं हैं। नाजिया नसीम, मोहिता शर्मा, अनुपा दास और नेहा शाह समेत अब तक 4 लोगों को करोड़पति बनने में सफलता मिली है। बता दें कि अमिताभ बच्चन केबीसी के दौरान अकसर अपनी जिंदगी के कुछ रोचक पहलुओं का खुलासा करते रहते हैं। कई बार वह पुरानी फिल्मों से जुड़े रोचक किस्सों से भी प्रतिभागियों और दर्शकों को अवगत कराते रहते हैं।

सपना चौधरी के पति वीर साहू ने किया किसान आंदोलन का समर्थन, 26 जनवरी को दिल्ली कूच की अपील

हरियाणवी डांसर और एक्ट्रेस सपना चौधरी के पति वीर साहू ने किसान आंदोलन का समर्थन किया है। वीर साहू ने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर लोगों से 26 जनवरी के मौके पर दिल्ली कूच करने की अपील की है। इससे पहले सपना चौधरी खुद भी किसान आंदोलन का सपोर्ट कर चुकी हैं। वीर साहू ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'किसान आंदोलन में वह घड़ी आ गई है, जब घर से निकलकर अपने किसान भाईयों के साथ मैदान में आने का सबसे जरूरी मौका आ पड़ा है। साथियो आप सभी ने अलग-अलग तरीके से किसान आंदोलन में अपना सहयोग किया है, लेकिन अब 26 जनवरी के लिए घर से निकलकर शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली कूच में शामिल होना, आप और हम सब की जिम्मेदारी है। इसलिए सभी साथी दिल्ली कूच की तैयारी करें और किसान_मजदूर हितों के लिए एक होकर आगे बढ़ें।' वीर साहू ने इससे पहले मकर संक्रांति के मौके पर भी पोस्ट करते हुए लिखा था कि असली संक्रांति तो किसानों की जीत के बाद ही मनेगी। वीर साहू अकसर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर मुखरता से अपनी राय रखते रहे हैं। बता दें कि सपना चौधरी से उनकी शादी बीते साल जनवरी में हुई थी। हालांकि सपना चौधरी के फैन्स को जानकारी अक्टूबर 2020 में ही मिली थी, जब वह मां बनीं और बेटे को जन्म दिया। यह खबर फैन्स को चौंकाने वाली थी क्योंकि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सपना चौधरी की मां ने चुपचाप शादी किए जाने को लेकर कहा था कि वीर साहू के किसी परिजन के निधन के चलते बड़ा आयोजन नहीं किया गया था। सपना चौधरी मां बनने के बाद एक बार फिर से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हो चुकी हैं। स्टेज शो करने के साथ ही उनके कई गाने भी रिलीज हो चुके हैं। यही नहीं सपना चौधरी ने यूट्यूब पर अपना चैनल भी लॉन्च किया है, जिस पर 20 जनवरी को वह पहला गाना 'लोरी' रिलीज करने वाली हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर फैन्स के साथ लाइव जुड़ीं सपना चौधरी ने ऐलान किया था कि वह अब इस चैनल पर ही अपने गाने अपलोड करेंगी। 'लोरी' गाने को लेकर सपना चौधरी ने कहा था कि इस गाने में उन्होंने मां और संतान के प्यार को लेकर बताया है। सपना चौधरी ने कहा था कि बहुत से लोग उन पर आरोप लगाते हैं कि वह हरियाणा के लिए कुछ नहीं करती हैं। यह गाना हरियाणवी कल्चर को ही आगे ले जाने वाला है। बता दें कि सपना चौधरी और वीर साहू दोनों ही सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैं।

'भाबीजी घर पर हैं' की एक्टर नेहा पेंडसे बोलीं, मुझे हमेशा यूपी आधारित कैरेक्टर पसंद था

एक्टर नेहा पेंडसे का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान उन्हें घर पर काम करने का मौका मिला है, जो काफी अच्छा अनुभव रहा है। 'सूरज पे मंगल भारी' मूवी की एक्टर नेहा पेंडसे ने कहा, 'मैं 10 साल की उम्र से काम कर रही हूं। कभी मुझे इस तरह से घर पर रहने का मौका नहीं मिला था। घर के कामों के लिए मैं हमेशा अपनी मां पर ही निर्भर थी। लेकिन बीते साल जनवरी में शादी के बाद लॉकडाउन लग गया और फिर जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। अब मैंने लॉकडाउन के दौरान इतना सीख लिया है कि करियर और घर को एक साथ आसानी से चला सकती हूं।' हाल ही में 'भाबी जी घर पर हैं' सीरियल का हिस्सा बनने वालीं नेहा पेंडसे ने कहा कि मुझे ऐक्टिंग करना बहुत पसंद है। कई बार लगता है कि हमेशा शूटिंग सेट पर ही रहूं। एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर मैंने करियर की शुरुआत की थी और तब से अब तक मैंने काफी कुछ सीखा है। किसी भी क्षेत्र या फिर रोल को लेकर मैंने अपने अंदर हिचक नहीं रखी है। प्रोफेशन के मामले में मेरी यह अच्छी स्थिति है। नेहा पेंडसे कहती हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ प्रयोग करना पसंद है।

तांडव वेब सीरीज: ट्विटर पर ट्रेंड हुआ, बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने भी किया विरोध

अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई तांडव वेब सीरीज पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप लग रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक बड़ा वर्ग तांडव वेब सीरीज के निर्माताओं पर हिंदूफोबिया से ग्रसित का आरोप लगा रहा है। यही नहीं ट्विटर पर फिलहाल दूसरे नंबर पर ट्रेंड हो रहा है। इस हैशटैग के साथ अब तक 87 हजार से ज्यादा ट्वीट किए जा चुके हैं। बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने इस वेब सीरीज को लेकर ट्वीट किया है, 'तांडव दलित विरोधी है और हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक घृणा से भरी हुई है। आप लोग इसके खिलाफ सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को लिखें।' यही नहीं कपिल मिश्रा ने मंत्रालय की ईमेल आईडी भी दी है। एक यूजर ने वेब सीरीज के इस हिस्से को ट्वीट करते हुए लिखा है, 'अली अब्बास तांडव वेब सीरीज के डायरेक्टर हैं और इसमें पूरी तरह से लेफ्ट विंग के अजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। वह टुकड़े-टुकड़े गैंग को ग्लोरिफाई कर रहे हैं।' इसके अलावा वेब सीरीज का एक और हिस्से पर लोग आपत्ति जता रहे हैं। यही नहीं अन्य तमाम यूजर्स ने भी इसे हिंदू फोबिया करार दिया है। दरअसल तांडव वेब सीरीज के पहले ही एपिसोड में एक्टर जीशान अयूब भगवान शिव के कैरेक्टर में दिखते हैं। यह यूनिवर्सिटी के थिएटर का एक सीन है, जिसमें मंच संचालक उनसे पूछता है कि भोलेनाथ कुछ करिए। रामजी के फॉलोअर्स तो लगातार सोशल मीडिया पर बढ़ते ही जा रहे हैं। इस पर जीशान अयूब कहते हैं, क्या करूं अपनी प्रोफाइल पिक चेंज कर दूं। इस पर मंच संचालक कहता है कि इससे कुछ नहीं होगा। आप कुछ अलग करिए। वेब सीरीज का एक और हिस्से पर लोग आपत्ति जता रहे हैं। इस वीडियो में कॉलेज का एक युवा लड़की से कहता है, 'जब एक छोटी जाति का आदमी एक ऊंची जाति की औरत को डेट करता है न तो वह बदला ले रहा होता है, सिर्फ उस एक औरत से।' इस वीडियो को लेकर आपत्ति जताते हुए कुछ यूजर्स ने इसे हिंदू और दलित विरोधी प्रॉपेगेंडा करार दिया है। हालांकि एक वर्ग ऐसा भी है, जो इस वेब सीरीज के डायरेक्टर्स का बचाव कर रहा है। कुछ यूजर्स ने लिखा है कि हर चीज को कुंठा की नजर से ही नहीं देखा जाना चाहिए। बता दें कि अली अब्बास जफर के निर्देशन वाली तांडव वेब सीरीज 15 जनवरी को ही अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है। पॉलिटिकल ड्रामा पर आधारित इस वेब सीरीज में डिंपल कपाड़िया, सैफ अली खान, गौहर खान, जीशान अयूब, तिग्मांशु धूलिया और सुनील ग्रोवर जैसे सितारे नजर आए हैं।

राजकुमार राव बोले, आज मैं एक्टर हूं तो इसकी वजह शाहरुख खान हैं, बताया- कैसे पहली बार मिले

मुंबई, एक्टर राजकुमार राव का कहना है कि आज यदि वह अभिनय के क्षेत्र में हैं तो इसकी वजह शाहरुख खान हैं। उनका कहना है कि एक व्यक्ति और एक एक्टर के तौर पर उन्होंने शाहरुख खान से बहुत कुछ सीखा है। राजकुमार राव जल्दी ही The White Tiger मूवी में नजर आएंगे। हॉलीवुड की इस मूवी में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और आदर्श गौरव भी दिखने वाले हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन रमिन बहरानी ने किया है। यह फिल्म अरविंद अडिगा के उपन्यास पर आधारित है, जिसे नोबेल प्राइज मिल चुका है। यह मूवी 22 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। राजकुमार राव का कहना है कि शाहरुख खान हमेशा उनके आदर्श रहेंगे। द वाइट टाइगर मूवी में प्रियंका चोपड़ा के साथ काम करने को लेकर राजकुमार राव ने कहा, 'प्रियंका चोपड़ा बेहद असाधारण हैं। वह हमेशा खुश रहती हैं। वह ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं, लेकिन काम के दौरान उन्होंने कभी मुझे ऐसा फील नहीं होने दिया। मैं हमेशा उनके काम का प्रशंसक रहा हूं। मेरे लिए यह खुशी की बात है कि बड़े एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। इससे अपनी परफॉर्मेंस को सुधारने का मौका मिलता है। प्रियंका चोपड़ा के साथ काम में भी मुझे फायदा हुआ है। यहां तक कि मेरे सीन्स में भी उन्होंने मुझे हेल्प की थी। मैं आगे भी उनके साथ काम करना चाहूंगा। मुझे उम्मीद है कि यह जल्दी ही होगा।' शाहरुख खान को लेकर राजकुमार राव ने कहा, 'मैं शाहरुख सर की वजह से आज एक्टर हूं। स्क्रीन पर उन्हें हमेशा देखता था और उनके चलते ही इंडस्ट्री में एंट्री की। इसकी वजह यह है कि मैं उनकी यात्रा से जुड़ना चाहता था। उन्होंने मुझे सिखाया है कि यदि आपने कोई सपना देखा है और उसके लिए पूरे मन से काम करते हैं तो एक दिन वह सपना जरूर पूरा होगा। हम सभी जानते हैं कि वह कितने चार्मिंग हैं और कैसे हर किसी को स्पेशल फील कराते हैं। ऑनस्क्रीन हो या फिर ऑफस्क्रीन उनसे हर जगह कुछ न कुछ सीखा जा सकता है।' क्वीन मूवी की सफलता के बाद राजकुमार राव की शाहरुख खान से मुलाकात हुई थी। शाहरुख खान से मुलाकात का किस्सा बताते हुए राजकुमार राव ने कहा, 'मैं महबूब स्टूडियो में शूटिंग कर रहा था। इसी दौरान मैंने सुना कि शाहरुख सर भी वहां शूटिंग के लिए आए हैं। तब मुझे लगा कि यह मेरे लिए मौका हो सकता है कि मैं उनसे मिल सकूं। मैंने उन तक संदेश भेजा। मुझे लगा कि वह मुझे जानते नहीं होंगे, लेकिन उन्हें मेरे बारे में पूरी जानकारी थी।' राजकुमार राव ने कहा कि उस दिन उन्होंने मुझे काफी स्पेशल फील कराया है। मैं पहले से ही उनका फैन था, लेकिन फिर और बड़ा वाला फैन हो गया।

मुंबई में कोरोना वैक्सीन देना शुरू, पहले दिन 4100 लोगों को लगेगा टीका

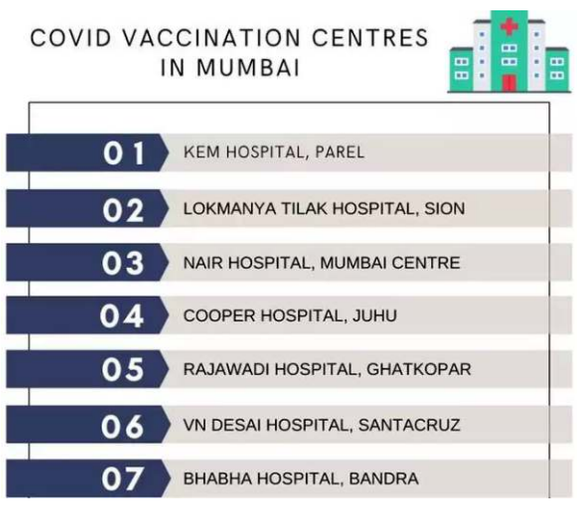

मुंबई, मुंबई सहित पूरे देश में कोरोना टीकाकरण की हो गयी है। टीकाकरण के पहले दिन मुंबई में 4100 स्वास्थ्यकर्मियों को विभिन्न वैक्सीनेशन केंद्रों में 'कोविशील्ड' और 'को-वैक्सीन' का पहली डोज दी जाएगी। इसके 28 दिनों बाद दूसरा डोज देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आज होने वाले पहले टीकाकरण के लिए सभी केंद्रों पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच एक दिन पहले ही वैक्सीन के डोज कोल्ड बॉक्स में पहुंचा दिए गए थे।

इन जगहों पर दी जाएगी वैक्सीन

मुंबई में कोरोना वैक्सीन को 7 जगहों पर देने का फैसला बीएमसी प्रशासन ने किया है। ये सात जगह मुंबई के अस्पताल हैं जहां पर कोरोना वायरस को यह वैक्सीन लगाई जाएगी बीएमसी ने इसके लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। मुंबई के केम हॉस्पिटल, सायन हॉस्पिटल, नायर हॉस्पिटल, कुपर हॉस्पिटल, राजावाडी हॉस्पिटल,वीएन देसाई हॉस्पिटल,भाभा हॉस्पिटल में कोरोना वैक्सीन ढ़ी जाएगी।

यह है तैयारी

अतिरिक्त मनपा आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि शनिवार को सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीएमसी के कूपर अस्पताल में टीका देने वाले डॉक्टर्स और कर्मचारियों से संवाद करेंगे। को- विन ऐप में आने वाली दिक्कतें भी पीएम जानेंगे। इसके लिए कूपर अस्पताल में टू-वे विडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सुबह 10 बजे बीकेसी के जंबो कोविड सेंटर में टीकाकरण का शुभारंभ करेंगे।

9 केंद्रों पर दो शिफ्ट में टीकाकरण

मुंबई में टीकाकरण के लिए 10 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 41 बूथ होंगे। इसमें बीएमसी के 9 और राज्य सरकार का एक केंद्र शामिल है। राज्य सरकार के अधीन आने वाले जेजे अस्पताल में सिर्फ एक शिफ्ट यानी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक टीकाकरण किया जाएगा, जबकि बीएमसी के 9 केंद्रों पर दो शिफ्ट यानी सुबह 8 से रात 8 बजे तक टीकाकरण का काम होगा।

पालघर हत्याकांड के 89 आरोपियों को मिली जमानत

मुंबई। ठाणे जिले में एक विशेष अदलत ने पालघर भीड़ हिंसा मामले में 89 आरोपियों को शनिवार को जमानत दे दी। यह घटना पिछले साल अप्रैल में हुई थी, जिस दौरान दो साधुओं और उनके वाहन चालक की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। जिला न्यायाधीश एस बी बाहलकर ने अपने आदेश में 89 आरोपियों को जमानत दे दी। साथ ही, उन्होंने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 15 फरवरी निर्धारित की है। आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील अमृत अधिकारी और अतुल पाटिल ने अदालत में दलील दी कि याचिकाकर्ताओं की हमले में कोई भूमिका नहीं थी और पुलिस ने महज संदेह के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया था। इस मामले में कुल 201 लोग गिरफ्तार किये गये थे और उनमें से 75 मुख्य आरोपी जेल में हैं। विशेष सरकारी वकील सतीश मानेशिंदे अभियोजन की ओर से पेश हुए, जबकि अधिवक्ता पीएन ओझा साधुओं के परिवार की ओर से पेश हुए। गौरतलब है कि 16 अप्रैल 2020 को पालघर जिले में भीड़ ने दो साधुओं और उनके वाहन चालक की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। इलाके में बच्चा चोरों के घूमने की अफवाह के बीच यह घटना हुई थी।

400 निवेशकों के 450 करोड़ हड़पने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 450 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में एक स्टॉक ब्रोकिंग फर्म के निदेशक परेश कारिया को गिरफ्तार किया है। अनुग्रह फर्म के निदेशक कारिया पर 400 निवेशको की पैसे वापस न करने का आरोप है।

आशुतोष शाह नाम के व्यक्ति ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने फिलहाल आरोपी को 21 जनवरी 2021 तक के लिए पुलिस की हिरासत में भेज दिया है।

मामले की जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी के मुताबिक फिलहाल हम आरोपी से इस पूरे प्रकरण में हुई गड़बड़ी को लेकर पूछताछ कर रहे हैं और उससे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे है कि और उसके साथ कौन कौन लोग इस मामले में शामिल हैं।

कश्मीर में मचा हाहाकार... 7 दिनों के लिए बचा है पेट्रोल और डीजल

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर टूटे पुल के बाद सभी सप्लाई बंद

कश्मीर में हाहाकार मचने लगा है क्योंकि जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर एक पुल के टूटने के बाद कश्मीर दुनिया से क्या कटा कि पेट्रोल-डीजल की किल्लत होने लगी है। सरकारी तौर पर माना गया है कि मात्र सात दिनों का भंडार बचा है और अगर जल्द सप्लाई आरंभ नहीं हुई तो सब ठप्प हो जाएगा। खाना बनाने वाली गैस और गेहूं का भी यही हाल है। 10 जनवरी की रात को नेशनल हाईवे पर रामबन के पास केला मोड़ पर एक पुल ढह गया। प्रशासन इसे बनाने में तो जुटा है पर 20 से 25 दिनों तक इसके बन जाने की आशा जताई जा रही है। बीआरओ और सेना की मदद से बैलीपुल डाला गया है। इसका काम आज पूरा हुआ तो बीआरओ के बीकान प्रोजेक्ट के चीफ इंजीनियर को लेकर एक वाहन से इसका ट्रायल पूरा कर लिया गया पर समाचार भिजवाए जाने तक वाहनों को इसके इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, बैली ब्रिज डीजल व पेट्रोल की कमी को शायद ही पूरा कर पाए क्योंकि यह पुल सिर्फ हल्के वाहनों का ही बोझ सहन कर पाएगा और ऐसे में बड़े वाहनों को इस पर से गुजारने का खतरा मोल नहीं लिया जा सकता। जबकि टूटे हुए पुल की दीवार को पूरी तरह से वाहनों के योग्य बनने में अभी भी 20 से 25 दिनों का समय लगेगा जबकि मौसम विभाग ने 22 जनवरी से 4 दिनों के लिए फिर से बर्फबारी और बारिश की चेतावनी दी है। कश्मीर में सिर्फ पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर ही हाहाकार नहीं है बल्कि गैस व गेहूं के लिए भी ऐसा ही माहौल है। पेट्रोल व डीजल की राशनिंग करते हुए सभी वाहनों के लिए सप्लाई पर कंट्रोल लगाया जा चुका है पर गैस पर ऐसा करना संभव नहीं हो पाया है जिसका भंडार सिर्फ 14 दिनों के लिए ही है और राजमार्ग को बंद हुए 7 दिन बीत चुके हैं।

महाराष्ट्र के इन इलाकों में बर्ड फ्लू की दहशत, भोपाल और पुणे लैब से रिपोर्ट आई पॉजिटिव

मुंबई। राज्य में बर्ड फ्लू से 982 मुर्गियों की मौत हो गई है। अब तक महाराष्ट्र के 22 जिलों में पक्षियों की मौत की घटनाएं सामने आई हैं। एक सप्ताह के भीतर राज्य में 5151 पक्षियों की जान गई है। पशु संवर्धन आयुक्तालय से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की रात तक ठाणे में 35, नाशिक में 18, अमरावती में 90, यवतमाल में 205, नागपुर में 45, वर्धा में 109, चंद्रपुर में 4, गोंदिया में 23 व गडचिरोली में 2 मुर्गियों सहित राज्यभर में कुल 982 मुर्गियों की मौत हुई है। मुर्गियों के अलावा बकुला, गौरैया, तोता जैसे 89 पक्षियों की भी जान गई है। मृत पक्षियों के नमूने जांच के लिए भोपाल स्थित राष्ट्रीय पशु रोग संस्थान प्रयोगशाला भेजे गए हैं। बीते 8 जनवरी से अब तक राज्य में 5151 पक्षियों की मौत हो चुकी है। इसके पहले भोपाल भेजे गए नमूनों की रिपोर्ट मिल चुकी है। इस रिपोर्ट के अनुसार परभणी, नांदेड, पुणे, सोलापुर, रायगढ़, सहित सात जिलों से भेजे गए नमूने पॉजिटिव मिले हैं। यानी इन मुर्गियों की मौत बर्ड फ्लू के चलते हुई है जबकि अमरावती व अकोला में मृत मुर्गियों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। रिपोर्ट के मद्देनजर मुरंबा (परभणी) में 3443, केंद्रेवाडी (अहमदनगर) में 11064 व सुरनी-उदगिर (लातूर) में 28 मुर्गियों को नष्ट किया गया है।

यवतमाल में मृत मोर की रिपोर्ट पॉजिटिव

यवतमाल में मृत पाए गए मोर की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस वजह से मुंबई, ठाणे, यवतमाल में सर्वेक्षण कार्य शुरु है। बर्ड फ्लू रोकने के लिए सर्वाधिकार जिलाधिकारियों को सौपे गए हैं। मुर्गियों की मौतों को देखते हुए संबंधित क्षेत्र को संवेदनशील घोषित करने को कहा गया है। राज्य के सभी पोल्ट्री फार्म संचालकों से कहा गया है कि ज्यादा संख्या में मुर्गियों की मौत और उनके इलाके में मोर, तोता, बकुला आदि पंक्षियों के मृत पाए जाने की जानकारी पशु संवर्धन आयुक्तालय के टोल फ्री नंबर 18002330418 पर दें।

महाराष्ट्र के इन इलाकों में बर्ड फ्लू की दहशत, भोपाल और पुणे लैब से रिपोर्ट आई पॉजिटिव1/1 आपको बतादें खंडाला गशेत शिवार इलाके में पिछले रविवार दोपहर को 8 मोर मृत पाए गए थे, जिनमें 3 के सैंपल भोपाल प्रयोगशाला भेजे गए थे, जो पॉजिटिव आए हैं। इसके बाद से खंडाला से 10 किलोमीटर तक क्षेत्र में अलर्ट जारी किया गया। पक्षियों की बिक्री पर रोक लगाई गई। बर्ड फ्लू के मद्देनजर एहतियात बरतने के दिशा निर्देश उपविभागीय अधिकारी अनिरुद्ध बक्षी ने जारी किए हैं। जांब निवासी ज्ञानेश्वर इंगोले के खेत में 10 जनवरी को 8 मोर मृत पाए गए थे। किसान ने तुरंत इसकी जानकरी विभाग वनविभाग को दी थी। अधिकारी डॉ पी बी चव्हाण अपने सहयोगियों को साथ मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने पंचनामा कर मोर

वन विभाग को सौंपे थे। जिनमें 3 का सैंपल अकोला प्रयोगशाला भेजा गया था। इसके बाद सैंपल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल भेज दिया गया। जहां से रिपोर्ट आने के बाद हड़कंप मच गया है।

माजलगांव से बर्ड फ्लू से दहशत

उधर माजलगांव तहसील के टालेवाड़ी में सोमवार कौए मृत मिले थे। जिसकी रिपोर्ट शुक्रवार रात पॉजिटिव आई। बीड चिकित्सालय से सैंपल पुणे लैब में भेज दिया गया था। इसके चलते सतर्क रहने के लिए पशु संवर्धन अधिकारी ने निर्देश जारी किया है। बीड जिले में पहले से ही कोरोना का कहर था। जिसे काबू करने में स्वास्थ्य विभाग के पसीने छूट गए थे। वहीं अब बर्ड फ्लू की दहशत से लोग परेशान हैं। पशु संवर्धन अधिकारी डॉ लांडे के मुताबिक जब मृत कौए की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली, तो उपाय योजनाएं जारी कर दी गईं। लोगों से कहा गया कि वे डरें नहीं, सतर्क रहकर मृत पक्षी यां पशुओं की जानकारी प्रशासन को तुरंत दें

महाविकास आघाड़ी की विद्यार्थियों को सौगात... जल्द होगा छात्रवृत्ति का भुगतान

मुंबई, महाविकास आघाड़ी सरकार ने भरोसा दिलाया है कि आगामी दस दिनों में विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति का भुगतान कर दिया जाएगा। उच्च व तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री प्राजक्त तनपुरे ने बताया कि जिन विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति मंजूर हुई है, उसका भुगतान जल्द किया जाएगा। कॉलेज प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के अंक पत्र, टी.सी. आदि प्रमाणपत्र बिना किसी बाधा के छात्रों को तुरंत उपलब्ध कराए जाने चाहिए। ६२० करोड़ रुपए वितरित तनपुरे ने बताया कि उच्च व तकनीकी शिक्षा निदेशालय के तहत राज्य में १ लाख, ४८ हजार विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से ६२० करोड़ रुपए वितरित किए गए थे। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को छत्रपति राजर्षि शाहू महाराज छात्रवृत्ति योजना, डॉ. पंजाबराव देशमुख निर्वाह भत्ता योजना, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च शिक्षा लेनेवाले विद्यार्थियों को डीबीटी प्रणाली के माध्यम से छात्रवृत्ति दी जाती है।

बुद्ध की निर्वाण स्थली में बुद्ध पुरुष द्वारा कथा गान

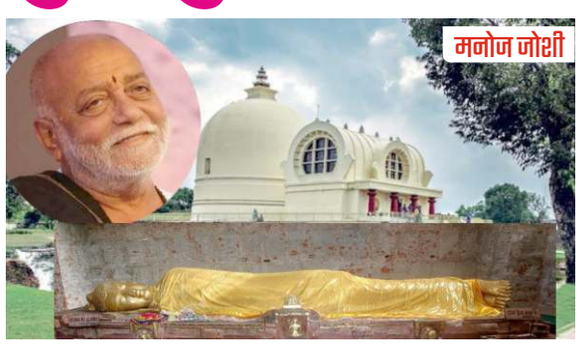

उत्तर प्रदेश प्रशासन की पूर्व मंजूरी से, सरकार की कोरोना संबंधित मार्गदर्शिका के पूर्ण परिपालन के साथ कुशीनगर में पूज्य मोरारी बापू के श्री मुख से कथाक्रम की ८५४वीं मानस कथा का गान का होगा।कुशीनगर को हिंदुस्तान की धर्म परंपरा का त्रिवेणी-तीर्थ कहा जा सकता है। क्योंकि यह स्थान तीन धर्मों से जुड़ा है! हिंदू धर्म के भगवान श्री राम, बौद्ध धर्म के भगवान गौतम बुद्ध और जैन धर्म के तीर्थंकर महावीर स्वामी की स्मृति इस भूमि से जुडी है। त्रेता युग में यह स्थान भगवान रामजी के पुत्र कुश की राजधानी 'कुशावती' थी।कुशीनगर जनपद के जिला मथक का नाम 'पडरौना' है। कहा जाता है कि जनकपुरी में सीताजी से ब्याह कर भगवान राम इसी मार्ग से अयोध्या वापस लौटे थे।भगवान की पदरज से पवित्र हुई इस धरती 'पदराम' - 'पदरामा' - नाम से ख्यात हुई। बाद में उच्चार भेद से पडरेना- पडरौना नाम से जानी गई। पडरौना से दस किलोमीटर दूर बहती बांसी नदी पार करके भगवान राम अयोध्या की ओर रवाना हुए थे। बांसी नदी के इस घाट को आज भी 'रामघाट' से जाना जाता है। बांसी नदी का यह स्थान इतना इतना महत्व का हो गया कि "सो काशी और एक बांसी" कहावत हो गई।कुशीनगर से १६ किलोमीटर दूर पावानगरी है, जिसे जैन धर्मी "पावापुरी तीर्थ" के नाम से जानते है। पावापुरी भगवान महावीर की निर्वाण भूमि है।मल्ल शासन के दौरान भगवान बुद्ध को पावा जनपद के छठिया गांव - 'श्रेष्ठी ग्राम' से, भिक्षापात्र में किसीने सुव्वर का कच्चा मांस दिया। जिसे ग्रहण करने के बाद भगवान बुद्ध को अतिसार की बीमारी हो गई।रुग्ण देहावस्था के साथ बुद्ध को कुशीनगर के शालवन नामक स्थान में महापरिनिर्वाण प्राप्त हुआ।गुप्त साम्राज्य में सम्राट कुमारगुप्त (प्रथम) के समय में यहां बुद्ध की महापरिनिर्वाण की विशाल मूर्ति एवं महानिर्वाण स्तुप का जीर्णोद्धार किया गया। बाद में मौर्य युग में सम्राट अशोक ने इस भूमि को प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ के रूप में परिवर्तित किया। १२ वीं शताब्दी के मुस्लिम शासकोने इस पावन धर्म स्थान को खंडहर में बदल दिया।और फिर सालों तक यह भूमि अंधकार में खो गई।अंग्रेजों के शासन काल में गवर्नर जनरल अलेक्जेंडर कनिंघम और उसके साथी कार्लाइन ने १८६१ में यहां के पुरातत्व अवशेषों को खुदाई करके बाहर निकाला।बाद में १९०४ से १९१२ तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा तीनों धर्म संस्कृति के अवशेष खोजे गए।-ऐसे पावन स्थान भगवान बुद्ध की निर्वाण-भूमि कुशीनगर पर हमारे बुद्ध पुरुष मोरारी बापू द्वारा२३ से ३१ जनवरी तक राम कथा का गान होगा। बापू की व्यास वाटिका के वैश्विक श्रोतागण , इस तारीखों के दौरान प्रतिदिन सुबह दस से दो बजे तक आस्था टीवी और यूट्यूब पर से लाइव कथा सुन पाएंगे।

बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर के बीच चलेगी अंत्योदय

मुंबई, यात्रियों की सुविधा के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस और गोरखपुर के बीच अतिरिक्त विशेष साप्ताहिक सुपरफास्ट अंत्योदय एक्सप्रेस चलाने का पैâसला लिया है। यह गाड़ी १७ जनवरी, २०२१ से अगले आदेश तक चलेगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार ट्रेन सं. ०९०३३ बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष अंत्योदय एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन से ५.१० बजे रवाना होकर अगले दिन १५.४५ बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन १७ जनवरी, २०२१ से अगले आदेश तक चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन सं. ०९०३४ गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष अंत्योदय एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को गोरखपुर से ०३.२५ बजे रवाना होकर अगले दिन १४.२५ बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन १९ जनवरी, २०२१ से अगले आदेश तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा जंक्शन, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर एवं आनंद नगर स्टेशनों पर ठहरेगी।

गुजरात पत्रकार संघ के सदस्य भीखा भाई प्रजापति को किया गया बर्खास्त

गुजरात पत्रकार संघ के सभी सदस्यों को सूचित करना कि भारतीय पत्रकार संघ दिल्ली (आई जे यु) से के.बी. पंडित नाम के एक पदाधिकारी को उसकी कुछ गुमराह महत्वाकांक्षाओं और दुर्भावनाओं के कारण बर्खास्त कर दिया गया है और उसने गुजरात में 60 वर्ष पुराने गुजरात पत्रकार संघ को तोड़ने की कोशिश की है उसके लिए गुजरात पत्रकार संघ अहमदाबाद का कोई भी सदस्य गुमराह न हो, यदि पंडित भीखाभाई प्रजापति, जो कि उनके खुद के जोड़-तोड़ करने वाले व्यक्ति हैं, भिखाभाई प्रजापति (कड़ी) अपने पद का गलत इस्तेमाल करके गुजरात पत्रकार संघ को नुकसान पहुँचाया है, उन्हें यह समझाकर कि वे कई पदों पर आसीन हैं। बी आर। प्रजापति, अध्यक्ष, गुजरात पत्रकार संघ और अध्यक्ष, भारतीय पत्रकार संघ, नई दिल्ली ने हमारे एसोसिएशन के सभी सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। इसके प्रत्येक सदस्य को ध्यान देना चाहिए। यह जानकारी हमें गुजरात पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष श्रीमान किरीट कुमार एल व्यास द्वारा जानकारी प्राप्त हुई

निलेशभाई हिरपरा
मो.: 9537462166

प्रमुख दर्शन
स्टेशनरी व झेरॉक्स
मोबाईल से प्रिंट व सभी प्रकार के स्टेशनरी
महाबली कुरियर सर्विस

कलर प्रिंट, पासपोर्ट साईज फोटो, न्यूयर डायरी, ऑल टाईप स्कूल स्टेशनरी

जी-6, अलन्कार शॉपिंग सेन्टर, कापोद्रा
पोलीस स्टेशन के पीछे, सुरत

फ्लैट बेचना है
2 बी.एच.के
1035 स्कॅवर फीट
ग्रीड स्वामीनारायण मंदिर
के सामने नवसारी
मो.: 9869438562

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।